तापमान
अधिकतम 45 .6 डिग्री
न्यूनतम 23 .8 डिग्री

हरिभूमि
रेवाड़ी भूमि

रोहतक, रविवार 18 मई 2025

11 एचबीएसई दसवीं में प्रदेशभर में शिखर पर रेवाड़ी खुशी की सफलता से पूरे जिले में खुशी की लहर

12 खुला दरबार में 35 में से आठ शिकायतों का हुआ निपटान

लक्ष्य एवं उपलब्धि के बीच का सेतू
TAGORE PUBLIC SCHOOL
MAHENDERGARH – REWARI – GURUGRAM
27 YEARS EXCELLENCE IN EDUCATION
HIGH PERFORMING SCHOOL BY AKS - 2018
TEACHING EXCELLENCE AWARD BY International School Awards
a synonym to discipline
Ranked 5th in GURUGRAM TOP SCHOOL
Times School Survey 2022

XII CBSE BOARD RESULT

MARKS 97.6 PERCENT
Mansavi
D/o Praveen Sharma

MARKS 96 PERCENT
Riya
D/o Bhoop Singh

MARKS 95.2 PERCENT
Simran
D/o Jitender

MARKS 95 PERCENT
Jiya
D/o Ran Singh

MARKS 95 PERCENT
Yashika
D/o Naveen

MARKS 94.4 PERCENT
Deepika
D/o Ishwar Kr.

MARKS 94 PERCENT
Vashika
D/o Rajkumar

MARKS 94 PERCENT
Prachi
D/o Pankaj Sharma

MARKS 94 PERCENT
Priyanka
D/o Sunil Kr.

MARKS 94 PERCENT
Surya
D/o Ranjeet Kr.

MARKS 92.2 PERCENT
Bhawana
D/o Rajender Kr.

MARKS 92.2 PERCENT
Payal
D/o Rajender Kr.

MARKS 92 PERCENT
Diya
D/o Naresh Kr.

MARKS 92 PERCENT
Palak
D/o Pradeep

MARKS 92 PERCENT
Khushi
D/o Akshay Kr.

MARKS 91 PERCENT
Khushi
D/o Jagroop Kr.

MARKS 91 PERCENT
Muskan
D/o Rajkumar

MARKS 90.4 PERCENT
Ravina
D/o Praveen Kr.

MARKS 90 PERCENT
Annu
D/o Anil Kr.

MARKS 90 PERCENT
Varsha
D/o Sandeep Kr.

MARKS 90 PERCENT
Neha
D/o Pawan Kr.

MARKS 90 PERCENT
Chanchal
D/o Dharmender Kr.

MARKS 90 PERCENT
Himanshi
D/o Anil Kr.

X CBSE BOARD RESULT

MARKS 96.8 PERCENT
NIKITA
D/o Kshetrapal

MARKS 96 PERCENT
NITIN
S/o Pawan

MARKS 95.2 PERCENT
KARTIK
S/o Dinesh

MARKS 95 PERCENT
SHRESTA
D/o Narender

MARKS 94.8 PERCENT
RIDIMA
D/o Rajbir

MARKS 94.4 PERCENT
RUCHI
D/o Yudhvir

MARKS 94.4 PERCENT
MANNAT
D/o Yoginder

MARKS 94.4 PERCENT
ISHA
D/o Amit

MARKS 94 PERCENT
ANSHU
D/o Gulshan Kr.

MARKS 93.4 PERCENT
DIYA
D/o Mahender Kr.

MARKS 93.2 PERCENT
ISHIKA
D/o Ajay Kumar

MARKS 93.2 PERCENT
JIYA
D/o Sunil Kr.

MARKS 93 PERCENT
NIHARIKA
D/o Surender Kr.

MARKS 92.6 PERCENT
CHARU
D/o Manoj Kumar

MARKS 92.2 PERCENT
NEHA
D/o Pradeep Kr.

MARKS 92 PERCENT
SUDHIR
S/o Suresh Kumar

MARKS 91.8 PERCENT
TANISHA
D/o Kirtipal Kr.

MARKS 91.4 PERCENT
DEEPIKA
D/o Kuldeep Kr.

MARKS 91 PERCENT
HITESH
S/o Kuldeep kr.

MARKS 91 PERCENT
RACHI
D/o Ranjeet Kr.

MARKS 90.8 PERCENT
LAXIT
S/o Shripal Kr.

MARKS 90.4 PERCENT
HARSHITA
D/o Avin Kumar

MARKS 90.2 PERCENT
VAIBHAV
S/o Ramotar

MARKS 90 PERCENT
MUSKAN
D/o Devender Kr.

MARKS 90 PERCENT
TANUSHA
D/o Gajraj Kr.

ADMISSION OPEN FOR SESSION 2025-26
NURSERY TO XII
(ALL STREAMS)

IIT MAINS 143
IIT ADVANCE 36
NEET 47
NDA 49
NIT 29
CUET 117
CLAT 22
IISER 46

SPECIAL COACHING FOR
SAINIK SCHOOL
MILITARY SCHOOL
IISER | CLAT
IIT | NEET

AC HOSTEL FACILITY FOR BOYS

Mahendergarh Campus
9813922732, 9053905341
www.tagoremgarh.edu.in

Rewari Campus
8607974777, 8685851444
www.tagorerewari.edu.in

Gurugram
9053905344/43
www.tagoregurugram.edu.in

खबर संक्षेप

कल होगा फाइनेंस एंड कॉन्ट्रैक्ट कमेटी का गठन

मंडी अटेली। नगरपालिका अटेली मंडी में फाइनेंस एंड कॉन्ट्रैक्ट कमेटी के गठन की प्रक्रिया शुरू हो गई है। इसके लिए वार्ड नंबर एक से 12 तक के बीच से दो सदस्यों का चुनाव किया जाएगा। चुनाव को लेकर आम बैठक कल 19 मई 2025 को सुबह 11 बजे नगरपालिका कार्यालय में होगी। सभी पार्षदों को तय तिथि और समय पर बैठक में पहुंचने के निर्देश दिए गए हैं। सरकार के निर्देशों के अनुसार ही समिति का गठन किया जा रहा है।

शनिदेव जन्मोत्सव पर जागरण 26 को

मंडी अटेली। राष्ट्रीय राजमार्ग 11 स्थित फतेहपुर धाम में 16वां श्री शनिदेव महाराज जन्मोत्सव मनाया जाएगा। 26 मई की रात्रि विशाल जागरण होगा। इसमें सुंदर झांकियां निकाली जाएंगी। 27 मई को देशी घी से भंडारा होगा। जागरण में देश के प्रसिद्ध गायक कलाकार प्रस्तुति देंगे। दिनेश रोहिल्ला रोहतक से, रोहन सैनी नारनौल, चिराग जांगड़ा रोहतक से, जीतू पागल रेवाड़ी से और विकास जांगड़ा नारनौल से आ रहे हैं। ये सभी शनिदेव महाराज की महिमा का गुणगान करेंगे।

ग्रामीणों व विद्यार्थियों ने हाथों में तिरंगा झंडा लेकर यात्रा में भाग लिया

संगवाड़ी में निकाली तिरंगा यात्रा, देश भक्ति के रंग से सराबोर दिखा गांव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। गांव संगवाड़ी में तिरंगा यात्रा निकालते हुए गणमान्य लोग। फोटो :हरिभूमि

ऑपरेशन सिंदूर की शानदार सफलता तथा भारतीय सैनिकों के शौर्य एवं पराक्रम के सम्मान में शनिवार को गांव संगवाड़ी में सरपंच तथा भाजपा नेता रामसिंह छावड़ी की अगुवाई में भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। इस मौके पर विधायक लक्ष्मण सिंह यादव मौजूद थे। देशभक्ति गीतों तथा तिरंगा हाथ में लेकर निकाली गई यात्रा में पूरे गांव देशभक्ति के रंग से सरोबार रहा। डीजे पर देशभक्ति गीतों के साथ भारी संख्या में ग्रामीणों तथा विद्यार्थियों ने हाथों में तिरंगा झंडा लेकर यात्रा में भाग लिया। इस मौके पर विधायक लक्ष्मण यादव ने कहा कि यह तिरंगा यात्रा न सिर्फ सैनिकों के प्रति कृतज्ञता का प्रतीक है, बल्कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में नए भारत की एक झलक भी है। एक ऐसा भारत जो हर चुनौती का सामना करने को तैयार है और हर मोर्चे पर विजयी होकर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि भारतीय सेनाओं ने शानदार तरीके से पाकिस्तान में आतंकवाद के नौ ठिकानों को नष्ट किया और अपने लक्ष्य को भेदने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना ने पाकिस्तान की मिसाइलों व ड्रोन को आकाश में ही उड़ाकर नष्ट कर दिया। इस अवसर पर पूर्व सरपंच कृष्ण कुमार सालावास, भाजपा नेता राजेंद्र पटेल, कैप्टन रामरतन, रामथल ठेकेदार, रामकरण पंच, रामरतन पंच, पवन रावत, अभय पटेल, डा. रामपाल, अजीत सेठ, नरेश पंच, सोम सैन, ओमप्रकाश रंगा, मनोज पंच, उत्तम शर्मा पंच, मोहनलाल पंच, रमेश नंबरदार, राजपाल ठेकेदार, सुबेदार जगमाल, प्रवीण शर्मा, बिल्लु शर्मा, हिम्मत सिंह, संदीप थानेदार, सुबेदार गजराद, सुबेदार जगदीश, धर्मेंद्र, रामनिवास व डा. ज्योत्सना यादव सहित काफी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

रेवाड़ी। डहीना गांव में तिरंगा यात्रा निकालते विधायक एवं ग्रामीण। फोटो :हरिभूमि

देश के वीर सैनिकों के सम्मान में निकाली तिरंगा यात्रा

कोसली। कोसली क्षेत्र के विधायक अनिल यादव के नेतृत्व में शनिवार को गांव डहीना में सैनिकों के सम्मान में तिरंगा यात्रा निकाली गई। यात्रा में शामिल लोगों ने वीर जवानों के अदम्य साहस, शौर्य और राष्ट्रभक्ति को सलाम किया। तिरंगा यात्रा में गांव के युवाओं, बुजुर्गों और बच्चों ने जोश, उमंग और एकजुटता के साथ भाग लिया। युवाओं ने हमारी आन, बान और शान तिरंगा व हमारे आत्मसम्मान और गर्व की पहचान तिरंगा के नारे लगाए। विधायक ने कहा कि युवाओं का जज्बा न केवल देशभक्ति की भावना को और मजबूत करता है, बल्कि एक जागरूक और जिम्मेदार समाज की तस्वीर भी प्रस्तुत करता है। उन्होंने आपरेशन सिंदूर की अभूतपूर्व सफलता पर भारतीय थल सेना, वायु सेना और नौ सेना को पूरे प्रदेश की ओर से बधाई दी।

नाबालिग से छेड़छाड़ करने वाले दोषी युवक को तीन साल की सजा

रेवाड़ी। फास्ट ट्रैक स्पेशल कोर्ट के अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश लोकेश गुप्ता ने घर में घुसकर एक नाबालिग के साथ छेड़छाड़ करने वाले आरोपी युवक को दोषी करार देते हुए 3 साल कैद की सजा सुनाई है। अदालत ने आरोपी पर जुर्माना भी लगाया है। जुर्माना नहीं भरने पर आरोपी को जेल की अतिरिक्त सजा भी भुगतनी होगी। सदर थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी नाबालिग ने पुलिस को दी अपनी शिकायत में बताया था कि वह दसवीं कक्षा की छात्रा है। 6-7 सितंबर 2022 की रात वह अपने घर में सो रही थी। घर में उसके माता-पिता व दो भाई भी वही सोए हुए थे। रात को करीब 1 बजे गांव का ही रहने वाला एक युवक उनके घर में घुस गया। युवक ने घर में सो रही नाबालिग के साथ छेड़छाड़ शुरू कर दी। इस दौरान नाबालिग की नींद खुल गई और उसने शोर मचा दिया। नाबालिग की ओर से शोर मचाने पर आरोपी युवक वहां से भाग गया। शोर सुनकर परिवार व पड़ोस में रहने वाले लोग भी जाग गए। युवक को घर से भागते हुए देख लिया गया और पुलिस को सूचना दी।

रेवाड़ी। मेधावी विद्यार्थी स्कूल के शिक्षकों के साथ। फोटो :हरिभूमि

दसवीं कक्षा की छात्रा चारमिन्स 477 अंक लेकर बनी स्कूल टॉपर

रेवाड़ी। भारती विद्या मंदिर सीनियर सैकेंडरी स्कूल किशनगढ़ के विद्यार्थियों ने 10वीं और 12वीं के परिणाम में सफलता हासिल करके विद्यालय का नाम रोशन किया है। विद्यालय का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा। विद्यालय की दसवीं कक्षा की विद्यालय की दसवीं कक्षा की छात्रा चारमिन्स ने 477 अंक लेकर प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्राची ने 467 अंक लेकर द्वितीय और रितिका ने 463 अंक लेकर तृतीय स्थान प्राप्त किया। विद्यालय के कुल 32 छात्रों में से 20 छात्रों ने मेरिट और 12 छात्रों ने 70 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए। कक्षा 12वीं में साक्षी ने गणित विषय में 100 में से 100 अंक प्राप्त किए। विद्यालय संचालक हंसराज यादव ने परीक्षा परिणाम पर खुशी व्यक्त की व स्कूल के सभी अध्यापकों व विद्यार्थियों को बधाई दी।

विद्यार्थियों ने विज्ञान के चमत्कारों को दैनिक जीवन की गतिविधियों से जोड़कर समझा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बोलनी

स्वामी दयानंद सरस्वती वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, बोलनी में आज आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला में विद्यार्थियों ने विज्ञान के चमत्कारों को दैनिक जीवन की गतिविधियों से जोड़कर समझा। इस कार्यशाला का संचालन पीजीआईएमईआर चंडीगढ़ की सीनियर डेमोंस्ट्रेटर डॉ. रेनू यादव ने किया।कार्यशाला के दौरान डॉ. यादव ने बेहद सरल और प्रभावशाली तरीकों से यह स्पष्ट किया कि विज्ञान केवल प्रयोगशालाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि हमारे चारों ओर मौजूद है — हमारी रोजमर्रा की गतिविधियों में, हमारे निर्णयों में और हमारे अनुभवों में। उन्होंने विद्यार्थियों को न्यूटन के प्रथम और द्वितीय गति नियम, दहन, विलेयता वायुमंडलीय दाब, और पौधों की जड़ प्रणाली जैसे जटिल विषयों को दैनिक जीवन से जुड़े उदाहरणों के माध्यम से रोचक ढंग से समझाया।बच्चों ने स्वयं अपने अनुभवों और अवलोकनों के आधार पर इन सिद्धांतों को महसूस किया — जैसे चलती हुई गाड़ी में अचानक ब्रेक लगने पर शरीर का आगे झुकना (न्यूटन का पहला नियम), गुब्बारे से हवा छोड़ने पर उसका विपरीत दिशा में उड़ना (न्यूटन का दूसरा नियम), नमक और शक्कर का पानी में घुलना (विलेयता), टंबलर का ढक्कन उठाते समय सीटी जैसी आवाज़ आना (वायुमंडलीय दाब), और पौधों की जड़ों का मिट्टी में फैलना (जड़ प्रणाली) इत्यादि।डॉ. रेनू यादव की संवादात्मक और जीवंत शिक्षण शैली ने छात्रों के मन में विज्ञान के प्रति नई जिज्ञासा और रुचि को जन्म दिया। इस कार्यशाला ने न केवल विज्ञान को समझना आसान बनाया, बल्कि विद्यार्थियों को यह भी सिखाया कि विज्ञान हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा है।

रेवाड़ी। उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम की खुशी मनाते विद्यार्थी। फोटो :हरिभूमि

सरस्वती स्कूल के 12 छात्रों ने 95 प्रतिशत अंक लेकर हरियाणा बोर्ड परीक्षा में रचा इतिहास

कोसली।सरस्वती स्कूल गुड़ियानी ने एक बार फिर शिक्षा के क्षेत्र में अपना परचम लहराते हुए कक्षा 10वीं के बोर्ड परीक्षा परिणामों में ऐतिहासिक सफलता हासिल की है। छात्रा जूही ने 98 प्रतिशत अंक प्राप्त कर स्कूल में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। मीनू और ख्वाहिश ने 97 प्रतिश्रत अंक प्राप्त कर द्वितीय स्थान प्राप्त किया, वहीं अन्नू, मधु, अमित, सिद्धार्थ और दानवीर ने 96 प्रतिशत अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान अर्जित किया। इनके अलावा रविन, उमेश, दीपांशु और सागर ने 95 प्रतिशत अंक प्राप्त कर स्कूल को गौरवान्वित किया है। स्कूल के 12 छात्रों ने 95 प्रतिशत से अधिक व 28 छात्रों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए। सभी विद्यार्थियों ने मेरिट सूची में स्थान प्राप्त किया।

गवर्नमेंट स्कूल माजरा भालखी में मेधावी विद्यार्थी सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुंड

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय माजरा भालखी का 12वीं कक्षा का परीक्षा परिणाम क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ आने पर शनिवार को स्कूल में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें बतौर मुख्य अतिथि के रूप गांव के सरपंच रविन्द्र उर्फ हाथी ने शिरकत की। स्कूल की प्राचार्य संतोष कुमारी ने मुख्यातिथि का स्वागत किया। स्कूल का परिणाम 100 प्रतिशत रहा। 30 विद्यार्थियों में से 19 विद्यार्थियों ने 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए। मुख्यातिथि ने इस उपलब्धि के लिए सभी स्टाफ सदस्यों व विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दी। सरपंच व शिक्षकों ने सभी विद्यार्थियों को सम्मानित भी किया। मंच संचालन सुधीर कुमार व मुकेश यादव ने किया।

एसकेजी स्कूल भाकली में रवि व हिमांशी बने दसवीं के टॉपर

कोसली। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड की ओर से शनिवार को घोषित किए गए दसवीं कक्षा का परिणाम में भाकली स्थित एसकेजी माध्यमिक विद्यालय का रिजल्ट सहरानीय रहा। गांव भाकली के रवि यादव व हिमांशी यादव दोनों विद्यार्थियों ने 500 में से 488 अंक प्राप्त करके विद्यालय में पहला स्थान प्राप्त किया। दीपांशु गांव भूरावास ने 487 अंक प्राप्त करके दूसरा तथा भावना गांव भाकली व दिव्या गांव कोसली ने 486 अंक प्राप्त कर तीसरा स्थान प्राप्त किया। कक्षा दसवीं में कुल 81 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी, जिसमें से 21 विद्यार्थियों ने 90 प्रतिशत से अधिक प्राप्त किए। स्कूल के 53 विद्यार्थियों ने 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए। एसकेजी शिक्षा समिति के प्रधान राय सिंह, संचालक श्याम सिंह व प्राचार्य पवन कुमार ने विद्यार्थियों, शिक्षकों व अभिभावकों को बधाई दी।

महेंद्रगढ़। पानी में नहाते बच्चे। फोटो : हरिभूमि

बच्चों ने स्विमिंग पूल के ठंडे पानी में की मौज मस्ती

महेंद्रगढ़। भीषण गर्मी को देखते हुए बचपन प्ले स्कूल के बच्चों द्वारा विद्यालय परिसर में बने स्विमिंग पूल के ठंडे पानी में मौज मस्ती की गई। कार्यक्रम के दौरान नर्सरी से यूकेजी तक के नन्हे-मुन्ने बच्चों ने अपनी-अपनी कक्षा अध्यापिकाओं की देखरेख में स्विमिंग पूल के ठंडे पानी में डांस करने, स्नान करने और तैराकी के गुणों के बारे में जानकारी प्राप्त की। चेयरमैन रमेश सैनी एवं चेयरपर्सन निशा सैनी ने बताया कि गर्मी के मौसम में स्विमिंग पूल में नहाना बहुत फायदेमंद होता है। यह शरीर को ठंडा रखने में मदद करता है, जिससे लू और गर्मी से होने वाले नुकसान से बचाव होता है। इस अवसर पर विद्यालय संस्थापक शेरसिंह सैनी, बचपन हेड रूपाली अरोड़ा, प्राचार्य ज्योति शर्मा, प्रवक्ता अमरसिंह सोनी, पूनम गोस्वामी उपस्थित रही।

रेवाड़ी। रीजनल सेंटर में नए निदेशक का स्वागत करते स्टाफ सदस्य।

डा. यशपाल ने रीजनल सेंटर में कार्यभार संभाला

कर्मचारियों ने शुभकामनाएं दी

■ डा. अनिल कुमार ने डा. शर्मा का स्वागत किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोसली

कृष्ण नगर गांव स्थित भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के महिला रीजनल सेंटर में डा. यशपाल शर्मा एसोसिएट प्रोफेसर,रसायन विभाग ने शनिवार को नए निदेशक के रूप मे अतिरिक्त कार्यभार ग्रहण कर लिया है। इस अवसर पर रीजनल सेंटर के सभी शिक्षण एवं गैर-शिक्षण कर्मचारियों ने उन्हें गुलदस्ता भेंट कर शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर डा. शर्मा ने रीजनल सेंटर को बालिकाओं का शिक्षा मंदिर बताया और कहा कि सभी को पूर्ण समर्पण और सहयोग के साथ इस क्षेत्र की छात्राओं के सर्वांगीण विकास के लिए कार्य करना है। रीजनल सेंटर के वरिष्ठ शिक्षक डा. अनिल कुमार ने डा. शर्मा का स्वागत करते हुए विश्वास दिलाया कि उनके मार्गदर्शन में संपूर्ण स्टाफ पूरी निष्ठा और उत्साह के साथ छात्राओं तथा संस्थान के उज्ज्वल भविष्य के लिए कार्य करेगा।

बिजली बोर्ड हनुमान मंदिर में भंडारा आज श्रृद्धालुओं ने शहर में निकाली कलश यात्रा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बावल

डीएचबीवीएन कार्यालय बावल में हर वर्ष की भांति 18 मई को बाबा हनुमान जी के मंदिर भंडारे का आयोजन किया जा रहा है। शनिवार को सुबह श्रृद्धालुओं की ओर से बाबा हनुमान की झांकी व कलश यात्रा निकाली गई। कलश यात्रा में सैकड़ों महिलाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कलश यात्रा बिजली बोर्ड से शुरू होकर बावल के सभी बाजार से होते हुए मंदिर में सम्पन्न हुई। यात्रा में माता भगवती, हनुमान जी व गणेश जी और राधा-कृष्ण की झांकी शामिल रही। मंदिर परिसर में रात्रि को जागरण का आयोजन किया गया, जिसमें गायक कलाकारों ने अनेक भजनों से हनुमान जी व अन्य देवी-देवताओं का गुणगान किया। 18 मई को सुबह हवन के बाद 11 बजे भंडारे का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम का संचालन बिजली निगम के सभी कर्मचारी कर रहे है।

तैयारी मुख्यमंत्री आज महेंद्रगढ़ विधानसभा को 152 करोड़ 87 लाख 92 हजार रुपये की परियोजनाएं करेंगे सुपुर्द

सीएम के दौरे को लेकर पुलिस बल तैनात कर सुरक्षा के किए पुख्ता प्रबंध

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

उपायुक्त डॉ. विवेक भारती ने बताया कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी रविवार को महेंद्रगढ़ विधानसभा क्षेत्र की जनता को 152 करोड़ 87 लाख 92 हजार रुपये की परियोजनाएं सुपुर्द करेंगे। मुख्यमंत्री रैली स्थल से महेंद्रगढ़ विधानसभा की 81 करोड़ 49 लाख 30 हजार रुपये की राशि की लागत से तैयार परियोजनाओं का उद्घाटन तथा 71 करोड़ 38 लाख 62 हजार की लागत से तैयार होने वाली परियोजनाओ का शिलान्यास करेंगे। मुख्यमंत्री द्वारा किए जाने वाले उद्घाटनों मे कोथल खुर्द गांव के पांच करोड़ 32 लाख की लागत से तैयार 33 केवी सबस्टेशन, दो करोड़ 45 लाख 82 हजार की लागत से तैयार बसई से खेड़ी तलवाना सड़क, एक करोड़ 48 लाख 8 हजार की लागत से तैयार मालड़ा सराय से पाथेड़ा सड़क, एक करोड़ 11 लाख 62 हजार की लागत से तैयार झगड़ोली से झूक सड़क, 13 करोड़ 5 लाख 84 हजार की लागत से तैयार दोहान नदी, दो करोड़ 60 लाख 37 हजार की लागत से तैयार सतनाली से बाढड़ा सड़क, 15 करोड़ 90 लाख 25 हजार की लागत से तैयार महेंद्रगढ-सतनाली-लोहारू सड़क, एक करोड़ 91 लाख 86 हजार की लागत से तैयार खुडाना से गढ़ी सड़क, चार करोड़ 65 लाख 51 हजार की लागत से तैयार नांवा से डालनवास सड़क, दो करोड़ 14 लाख 79 हजार की लागत से तैयार बलाना से सोहला सड़क, पांच करोड़ 20 लाख 59 हजार की लागत से महेंद्रगढ़ विधानसभा की पांच सड़कों की मरम्मत, नौ करोड़ 18 लाख 85 हजार की लागत से तैयार धोली, जाट व भुरजट गांव की पेयजल योजना, छह करोड़ की लागत से तैयार पालड़ी पनिहारा व भगडाना का जलघर, चार करोड़ 64 लाख की लागत से तैयार बेरी गांव का जलघर, चार करोड़ 50 लाख की लागत से रिवासा गांव में तैयार लुवास रिजनल सेंटर का भवन शामिल हैं। एक करोड़ 91 लाख 86 हजार की लागत से तैयार खुडाना से गढ़ी सड़क, चार करोड़ 65 लाख 51 हजार की लागत से तैयार नांवा से डालनवास सड़क, जाट व भुरजट गांव की पेयजल योजना, छह करोड़ की लागत से तैयार पालड़ी पनिहारा व भगडाना का जलघर, चार करोड़ 64 लाख की लागत से तैयार बेरी गांव का जलघर, चार करोड़ 50 लाख की लागत से रिवासा गांव में तैयार लुवास रिजनल सेंटर का भवन शामिल हैं।

खबर संक्षेप

रेलवे स्टेशन यार्ड से बाइक ले गए चोर

रेवाड़ी। रेलवे स्टेशन डहीना के यार्ड से व्यक्ति की मोटा साइकिल चोरी हो गई। ढाणी ठेठर बाढ निवासी अरविंद कुमार ने खोल थाना पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 15 मई को सुबह करीब 8 बजे वह रेलवे स्टेशन डहीना के यार्ड में बाइक खडी करके ट्रेन से सतनाली स्थित अपनी दुकान पर चला गया था। जब शाम को समय करीब वापस आया तो वहां से बाइक गायब थी। काफी तलाश करने पर भी बाइक का पता नहीं चल सका। पुलिस ने अज्ञात पर बाइक चोरी का केस दर्ज कर लिया है।

जलियावास से घर के बाहर खड़ी बाइक चोरी

रेवाड़ी। गांव जलियावास में घर के बाहर खड़ी मोटरसाइकिल चोरी हो गई। गांव चिडौद जिला हिसार निवासी योगेश ने कसोला थाना पुलिस को बताया कि वह सेक्टर-2 बावल जलियावास में किराये पर रहता है। 16 मई को उसने घर के बाहर मोटरसाइकिल खड़ी की थी, जिसे कोई व्यक्ति चोरी करके ले गया। अपने स्तर पर तलाश करने पर भी बाइक का पता नहीं चल सका। पुलिस ने अज्ञात पर बाइक चोरी का केस दर्ज कर लिया है।

तीन किसानों के ट्यूबवेल से केबल ले गए चोर

रेवाड़ी। गांव गुरावड़ा से चोर तीन किसानों के ट्यूबवेल से सामान चुरा ले गए। गांव निवासी शिव अविनाश ने रोहड़ाई थाना पुलिस को बताया कि सुबह 8:30 बजे गांव निवासी मंजू का फोन आया कि उनके खेत में ट्यूबवेल से चोरी हो गई है। जब वे खेत पर पहुंचे तो कमरे का दरवाजे पर लगा ताला टूटा हुआ मिला। जाच करने पर ट्यूबवेल से केबल गायब मिली तथा बाहर शराब की खाली बोतल भी पड़ी मिली। चोर उनके पडोसी अशोक व सुरेन्द्र के ट्यूबवेल से भी बिजली की केबल चोरी कर ले गए। उन्होंने कहा कि शराब का ठेका नजदीक होने के कारण रोजना लोगों का नुकसान हो रहा है। पुलिस ने अज्ञात पर चोरी का केस दर्ज कर लिया है।

मकान से लाखों रुपये के जेवरात चोरी

रेवाड़ी। भाड़ावास गांव में शुक्रवार की रात चोर एक मकान से लाखों रुपये के जेवरात चोरी कर ले गए। रामपुरा पुलिस ने मौका मुआयना करने के बाद चोरी का केस दर्ज कर लिया। पुलिस शिकायत में सुरेश कुमार ने बताया कि बताया कि शनिवार सुबह करीब 4 बजे जब वह उठा तो रसोई का ताला खुला हुआ था। कमरे का सारा सामान बिखरा हुआ था। चोर उसके मकान से सोने का नथ टीका, सोने की अंगूठी, कानों के टॉप्स व चांदी के कई जेवरात चोरी कर ले गए। उसने पुलिस को घटना की सूचना दी। सूचना मिलने के बाद रामपुरा पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने फिंगर प्रिंट एक्सपर्ट की टीम को मौके पर बुलाया। इसके बाद चोरी की जांच शुरू की गई। पुलिस के अनुसार चोरी में परिवार या पड़ोस के किसी व्यक्ति का हाथ होने की आशंका है, जिसके आधार पर पूछताछ की जा रही है। फिलहाल पुलिस ने चोरी का केस दर्ज कर लिया है।

भार्गव युवा संघ का समर कैंप आज से होगा शुरू

रेवाड़ी। भार्गव युवा संघ की ओर से 18 मई से एक 15 दिवसीय समर कैंप का आयोजन किया जा रहा है। कैंप का आयोजन प्रतिदिन शाम 5 बजे से 7 बजे तक सीएसटी कॉम्प्लेक्स बावल रोड में होगा। कैंप में जिला भार्गव समाज की अपने-अपने क्षेत्र में निपुण एवं प्रतिभाशाली महिलाएं डांस, कुकिंग, मेहंदी, जुम्बा, आर्ट एंड क्राफ्ट, ड्राइंग, कर्सिव राइटिंग, पर्सनालिटी डेवलपमेंट तथा बिजनेस स्किल्स जैसी गतिविधियों का प्रशिक्षण देंगी। कैंप में सभी उम्र के प्रतिभागी भाग ले सकते है। युवा संघ के प्रधान चिराग ने बताया कि यह समर कैंव न केवल भार्गव समाज के लिए है, बल्कि अन्य समाज के बच्चों के लिए भी एक अवसर है, जिससे नई प्रतिभाओं को मंच मिलेगा। संघ के सचिव प्रतीक ने कहा कि इस पहल से समाज को एक नई दिशा मिलेगी। समर कैंप के लिए संयोजिकाओं के रूप में पल्लवी, अंकिता, प्रिया तथा आंचल को जिम्मेदारी सौंपी गई है। वहीं पूजा और रूपाली पर्यवेक्षक की भूमिका निभा रही हैं।

जिले से 8179 विद्यार्थियों ने दसवीं की परीक्षा दी थी, जिसमें 7921 विद्यार्थी पास हुए, 96.85 रहा रेवाड़ी का पास प्रतिशत

एचबीएसई दसवीं में प्रदेशभर में शिखर पर रेवाड़ी खुशी की सफलता से पूरे जिले में खुशी की लहर

हेमंत शर्मा:रेवाड़ी

हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड बारहवीं में छठे स्थान पर आने के बाद शनिवार को घोषित किए गए दसवीं कक्षा के परीक्षा परिणाम में 96.85 प्रतिशत के साथ रेवाड़ी जिला स्टेट में टॉप पर आया है। गत वर्ष दसवीं के परीक्षा परिणाम में में रेवाड़ी पास प्रतिशत 97.60 प्रशित बढ़ने पर भी दूसरे स्थान पर आया था। इससे पहले वर्ष 2023 में जिला 78.68 प्रतिशत के साथ पहले पायदान पर था। इस बार चरखी दादरी 96.08 प्रतिशत के साथ दूसरे व महेन्द्रगढ़ जिला 95.78 प्रतिशत के साथ प्रदेश में तीसरे स्थान पर है, जबकि नूंह जिला इस बार भी प्रदेश में सबसे फिसड्डी रहा है। प्रदेश में टॉप पर आए रेवाड़ी के गांव हांसाका स्थित श्री कृष्ण सीनियर सैकेंडरी स्कूल की छात्रा खुशी ने मेधा सूची में तीसरे नंबर पर आकर जिले का नाम रोशन किया है। खुशी ने 500 में से 495 अंक लेकर प्रदेश में तीसरा स्थान पाया है। प्रदेशभर में फिर से 94.06 प्रतिशत के साथ लड़कियों का बोलबाला रहा है। लड़कों का प्रदेश में पास प्रतिशत 91.07 प्रतिशत रहा है। हरियाणा बोर्ड दसवीं की परीक्षा में रेवाड़ी जिला वर्ष 2023 में पहले स्थान पर आने के बाद गत वर्ष 2024 में एक पायदान फिसल कर दूसरे स्थान पर आ गया था, लेकिन इस वर्ष फिर से जिला प्रदेश में टॉप पर पहुंच गया है। इससे पहले 2022 में जिले का पास प्रतिशत 82.95 प्रतिशत के साथ स्टेट मेंचौथा स्थान रहा था। वर्ष 2023 में रेवाड़ी पास प्रतिशत 78.68 के साथ टॉप पर रहा, जबकि 2024 में 97.60 प्रतिशत बढ़ने पर भी जिला स्टेट में दूसरे स्थान पर खिसक गया। जिले से इस बार 8179 विद्यार्थियों ने दसवीं की परीक्षा दी थी, जिसमें 7921 विद्यार्थी पास हुए है, जबकि 178 की कपार्टमेंट व 80 विद्यार्थी असफल रहे है। इसके अलावा स्वयंपाठी परीक्षा में जिले का पास प्रतिशत 37.04 रहा है। जिले से 27 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी थी, जिसमें 10 छात्र पास व 17 छात्र रि-अपेयर रहे है।

रेवाड़ी। श्री कृष्ण स्कूल हांसाका में साथियों के साथ सेलिब्रेट करती खुशी। फोटो :हरिभूमि

प्रदेश में तीसरी टॉपर बनी छात्रा खुशी।

डॉक्टर बनकर असहाय लोगों की सेवा करना है सपना

श्री कृष्णा सीनियर सैकेंडरी स्कूल हांसाका की छात्रा व गांव बालियर खुर्द निवासी खुशी के पिता विनय कुमार शहर में कॉस्मेटिक की दुकान चलाते है तथा मां सुमन ग्रहणी है। खुशी की उपलब्धि से स्कूल, क्षेत्र व परिवार में खुशी का माहौल है। खुशी ने अंग्रेजी व मैथ में 100-100 अंक तथा साइंस व संस्कृत में 99-99 अंक, हिंदी 89 व गृह विज्ञान 97 अंक हासिल किए है। खुशी का सपना डॉक्टर बनकर जरूरत व असहाय लोगों की सेवा करने का है। स्कूल के संचालक सुरेश कुमार ने बताया कि स्कूल में एक्सट्रा क्लॉस में पढ़ने के बाद खुशी घर में 5 से 6 घंटे नियमित पढ़ाई करती थी। खुशी ने हर कक्षा में टॉप किया है। खुशी के सम्मान में सोमवार को स्कूल में समारोह का आयोजन किया जाएगा।

शिक्षा के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित कर रहा रेवाड़ी: डीसी

डीसी अभिषेक मीणा ने कहा कि रेवाड़ी जिला शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर आगे बढ़ते हुए नए आयाम स्थापित कर रहा है। उन्होंने कहा कि हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड भिवानी की ओर से शनिवार को जारी 10वीं कक्षा के परीक्षा परिणाम में विद्यार्थियों ने 96.85 पास प्रतिशत के साथ प्रदेश भर में पहला स्थान प्राप्त कर जिले का नाम रोशन किया है। उन्होंने इस उपलब्धि पर शिक्षा शिक्षा विभाग के अधिकारियों, सभी अध्यापकों, परीक्षा में उत्तीर्ण हुए विद्यार्थियों व उनके अभिभावकों को शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा के प्रदेश सरकार ने सरकारी व निजी स्कूल के बीच के अंतर को समाप्त करने की दिशा में विद्यार्थियों को टैबलेट उपलब्ध कराते हुए शिक्षा के क्षेत्र में प्रभावशाली कदम उठाए हैं। डिजिटल युग में नवाचार पद्धति के साथ होने वाले अध्ययन व अध्यापन कार्य से शैक्षणिक सुधार हो रहा है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को डिजिटल तकनीक से जोड़ते हुए टैबलेट देने में देश का पहला प्रदेश हरियाणा अपनी सक्रिय भूमिका निभा रहा है। डीसी मीणा ने कहा कि जो विद्यार्थी इस बार परीक्षा में सफल नहीं हुए वे निराश न हो, बल्कि और अधिक उत्साह व मेहनत के साथ परिश्रम करें।

बाइक चोरी के अलग-अलग मामलों में चार आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज. रेवाड़ी

जिला पुलिस ने बाइक चोरी के तीन अलग-अलग मामलों में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। सीआईए ने चोरी की बाइक के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान गांव बवाना गुर्जर निवासी राजाराम उर्फ राजू के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी की गई बाइक को बरामद कर लिया है। गत 16 मई को सीआईए को सूचना मिली थी की राजाराम के पास ब्रास मार्केट से चोरी की हुई एक अपाचे बाइक है तथा आरोपी अनाज मंडी से बावल रोड की ओर जाने वाला है। पुलिस ने कंटेनर डिपो के नजदीक नाकाबंदी करके आरोपी को काबू कर लिया। आरोपी बाइक के कागजात पेश नहीं कर सका। पुलिस ने बाइक के इंजन व चेचिस नंबर से जांच की, तो बाइक गांव बालावास जमापुर निवासी पंकज कुमार के नाम पाई गई। जाकि 2 अक्टूबर 2023 को ब्रास मार्केट से चोरी की गई थी। पुलिस ने चोरी की बाइक को कब्जे में लेकर आरोपी के गिरफ्तार कर लिया है। दूसरी घटना में बावल थाना पुलिस ने बाइक चोरी करने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान राजस्थान के जिला भरतपुर के गांव आजाद नगर इकरण हाल आबाद गांव रसियावास निवासी कृष्ण के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी की गई बाइक को बरामद कर लिया है। गांव तुर्कियावास निवासी सुनील कुमार 9 दिसम्बर 2021 को बावल के एक्सिस बैंक में किसी काम से गया था तथा बाइक को बैंक के बाहर खड़ी की थी, जिसे कोई व्यक्ति चोरी करके ले गया। पुलिस ने शुक्रवार को मामले में संलिप्त एक आरोपी कृष्ण को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी को अदालत में पेश करके न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। तीसरी घटना में भाडावास गेट चौकी पुलिस ने बाइक चोरी करने के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान गांव रामपुरी निवासी धर्मपाल व गांव ढोहकी निवासी गौरव के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की गई बाइक को बरामद कर लिया है। मोहल्ला विकास नगर कंकरवाली निवासी भगवान सिंह ने 21 जनवरी 2019 को अपनी बाइक को सरकुलर रोड स्थित खोल हाउस के बाहर खड़ा किया था, जिसे कोई व्यक्ति चोरी करके ले गया है।

रेवाड़ी। पुलिस गिरफ्त में आरोपी राजाराम उर्फ राजू, पुलिस गिरफ्त में आरोपी कृष्ण।

रेवाड़ी। मेधावी विद्यार्थी स्कूल के शिक्षकों के साथ। फोटो :हरिभूमि

छात्रा चारमिन्स 477 अंक लेकर बनी स्कूल टॉपर

रेवाड़ी। भारती विद्या मंदिर सीनियर सैकेंडरी स्कूल किशनगढ़ के विद्यार्थियों ने 10वीं और 12वीं के परिणाम में सफलता हासिल करके विद्यालय का नाम रोशन किया है। विद्यालय का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा। विद्यालय की दसवीं कक्षा की विद्यालय की दसवीं कक्षा की छात्रा चारमिन्स ने 477 अंक लेकर प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्राची ने 467 अंक लेकर द्वितीय और रितिका ने 463 अंक लेकर तृतीय स्थान प्राप्त किया। विद्यालय के कुल 32 छात्रों में से 20 छात्रों ने मेरिट और 12 छात्रों ने 70 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए। कक्षा 12वीं में साक्षी ने गणित विषय में 100 में से 100 अंक प्राप्त किए। विद्यालय संचालक हंसराज यादव ने परीक्षा परिणाम पर खुशी व्यक्त की व स्कूल के सभी अध्यापकों व विद्यार्थियों को बधाई दी।

रेवाड़ी। गांजे के साथ गिरफ्तार आरोपी साहिल। फोटो :हरिभूमि

374 ग्राम गांजे के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

रेवाड़ी। सीआईए रेवाड़ी ने अवैध नशीला पदार्थ गांजा के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान मोहल्ला गुलाबी बाग हाल में नजदीक शनि मंदिर गांव रामपुरा निवासी साहिल के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 374 ग्राम अवैध नशीला पदार्थ गांजा बरामद किया है। गत 16 मई को सीआईए को सूचना मिली थी की साहिल गांजा बेचने का काम करता है तथा राव तुलाराम के पास बने रोड पर गांजा बेचने के लिए खड़ा हुआ है। सूचना पर पुलिस ने मौके से आरोपी को काबू कर लिया। ड्यूटी मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में आरोपी की तलाशी लेने पर उसके पास से 374 ग्राम नशीला पदार्थ गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने आरोपी के नशीला पदार्थ अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

घर में घुसकर नाबालिग से छेड़छाड़ करने वाले दोषी युवक को तीन साल की सजा

रेवाड़ी। फास्ट ट्रैक स्पेशल कोर्ट के अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश लोकेश गुप्ता ने घर में घुसकर एक नाबालिग के साथ छेड़छाड़ करने वाले आरोपी युवक को दोषी करार देते हुए 3 साल कैद की सजा सुनाई है। अदालत ने आरोपी पर जुर्माना भी लगाया है। जुर्माना नहीं भरने पर आरोपी को जेल की अतिरिक्त सजा भी भुगतनी होगी। सदर थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी नाबालिग ने पुलिस को दी अपनी शिकायत में बताया था कि वह दसवीं कक्षा की छात्रा है। 6-7 सितंबर 2022 की रात वह अपने घर में सो रही थी। घर में उसके माता-पिता व दो भाई भी वही सोए हुए थे। रात को करीब 1 बजे गांव का ही रहने वाला एक युवक उनके घर में घुस गया। युवक ने घर में सो रही नाबालिग के साथ छेड़छाड़ शुरू कर दी। इस दौरान नाबालिग की नींद खुल गई और उसने शोर मचा दिया। नाबालिग की ओर से शोर मचाने पर आरोपी युवक वहां से भाग गया। शोर सुनकर परिवार व पड़ोस में रहने वाले लोग भी जाग गए। युवक को घर से भागते हुए देख लिया गया और पुलिस को सूचना दी। नाबालिग की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ थाना सदर में छेड़छाड़ व पोक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज करके युवक को गिरफ्तार कर लिया था। पुलिस ने जांच के बाद अदालत में चार्जशीट दायर की। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अदालत में साक्ष्य प्रस्तुत किए और गवाहों के बयान भी दर्ज कराए। साक्ष्यों और सभी पहलुओं पर सुनवाई के बाद फास्ट ट्रैक स्पेशल कोर्ट के एएसजे लोकेश गुप्ता ने आरोपी युवक को दोषी करार दिया। अदालत ने दोषी को 3 साल कैद और 6 हजार रुपए जुर्माने की सजा दी है। जुर्माना नहीं भरने पर दोषी को 3 महीने की अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी।

सम्पूर्ण रूप से स्वस्थ रहने के लिए प्रतिदिन योगाभ्यास करना आवश्यक: डा. युद्धवीर

हरिभूमि न्यूज. रेवाड़ी

पतंजलि योग समिति की ओर से गोकलगढ़ में चल रहे पांच दिवसीय योग शिविर के दूसरे दिन के अभ्यास सत्र आयोजित किया गया। कार्यक्रम में हरियाणा योगासन खेल संघ के उपाध्यक्ष व नव सृष्टि योग एव शोध संस्थान के संस्थापक डा. युद्धवीर व भारत स्वाभिमान तहसील प्रभारी कप्तान राजेंद्र सिंह मौजूद थे। सत्र का शुभारंभ पतंजलि योग समिति जिला प्रभारी दयाराम आर्य तथा महिला प्रभारी सरोज आर्य ने अतिथियों के साथ किया। डा. युद्धवीर ने साधकों को सूर्यनमस्कार के अभ्यास के साथ मधुमेह एवं कमर दर्द के आसनों का अभ्यास कराया। उन्होंने कहा की हमे सम्पूर्ण रूप से स्वस्थ रहने के लिए प्रतिदिन योगाभ्यास आवश्यक है। उन्होंने बताया कि योगासन अब राष्ट्रीय खेल के रूप में शामिल कर लिया गया है व अगले एशियन खेलों में भी योगासन खेल शामिल हो रहा है। जिस प्रकार विश्व योग दिवस मनाया गया है, उसी प्रकार योगासन खेल को ओलम्पिक तक लेकर जाने की तैयारी है। दयाराम आर्य ने सहयोग के लिए राकेश यादव का धन्यवाद किया। शिविर में मीडिया प्रभारी मुकेश कुमार, जितेंद्र शास्त्री, मास्टर सतबीर, अजीत सिंह, मुकेश, विजय देवी, सपना, शकुंतला देवी, ऊषा देवी, पुष्पा, प्रकाशवती व श्वेता यादव सहित अनेक लोग मौजूद थे।

रेवाड़ी। योगाभ्यास कराते हुए डा. युद्धवीर। फोटो :हरिभूमि

सीबीएसई बार्ड दसवीं व बारहवीं में मेरिट में आने वाले विद्यार्थी सम्मानित

धारूहेड़ा। अलावलपुर स्थित द्वा रॉयल इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल में शनिवार को सीबीएसई बोर्ड परीक्षा में मेरिट पाने वाले 12वीं व दसवीं कक्षा के मेधावी छात्र-छात्राओं को प्रशंसा पत्र व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। विद्यालय निदेशक योगेंद्र सिंह ने बताया कि 12वीं कक्षा में तनीष 92 प्रतिशत अंक के साथ विद्यालय में प्रथम स्थान पर रही। आयुष व रितिक ने 85 प्रतिशत तथा बाकी विद्यार्थियों के 70 प्रतिशत से अधिक अंक रहे। कक्षा दसवीं में निशा 93 प्रतिशत अंक के साथ विद्यालय में प्रथम स्थान पर रही। सिया ने 92 प्रतिशत, स्नेह ने 91 प्रतिशत, तनु, प्राची व अनुष्का ने 90 प्रतिशत तथा बाकी विद्यार्थियों ने 70 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए। विद्यालय के निदेशक ने सभी बच्चों व अध्यापकों को बधाई दी। उन्होंने बच्चों को प्रेरित करते हुए कहा कि अभी भविष्य में उन्हें इससे भी बेहतर परिणाम लाने की कौशिश करनी होगी।

आरएमआर स्कूल नाहड़ का एचबीएसई परीक्षाओं में शानदार प्रदर्शन

कोसली। आरएमआर स्कूल नाहड़ ने हरियाणा बोर्ड की परीक्षाओं में शानदार प्रदर्शन किया है। 10 वीं व 12वीं के सभी विद्यार्थियों ने मेरिट लिस्ट में जगह बनाई। तमन्ना ने 97.5 प्रतिशत लेकर प्रथम, रक्षिता ने 97 प्रतिशत लेकर द्वितीय और जयेश ने 96.2 प्रतिशत लेकर तीसरा स्थान प्राप्त किया। इस शानदार उपलब्धि पर सभी विद्यार्थियों और स्कूल स्टाफ ने मिलकर जश्न मनाया। इस अवसर स्कूल संचालक राजकुमार कोसलिया, विनोद कौशिक, अनुराग यादव, रीना, अनुराधा, अजीत, योगेश, भूपेंद्र, शिवकांत, हिमांशु, दीपक, मीना, दीपिका यादव, रंजू, कविता, दीपिका, लता, अनिता, निशा, नेहा, देवेंद्र, दयाकिशन, मुनेश, हरिहर, बिट्टू, गजराज, गोपाल व संतोष ने सभी विद्यार्थियों को बधाई दी।

शनिवार को 45.6 डिग्री सेल्सियस पर पहुंचा पारा, अभी तीन-चार दिन तक राहत मिलने की उम्मीद नहीं

तापमान में एक सप्ताह से लगातार वृद्धि, लू के थपेड़ों से जनजीवन प्रभावित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

एक सप्ताह से तापमान में लगातार हो रही वृद्धि के कारण गर्मी चरम सीमा पर पहुंच गई है। तापमान 45 डिग्री सेल्सियस के पार निकल जाने के बाद लू के थपेड़ों ने लोगों का जीना हराम कर दिया है। झुलसाने वाली गर्मी का असर अभी तीन-चार दिन तक बना रह सकता है। इससे लोगों के हीटवेव की चपेट में आने का खतरा भी बढ़ गया है। मई माह का पहला पखवाड़ा कूल-कूल बना रहा। तापमान 40 डिग्री से नीचे रहने के कारण लोगों को भारी गर्मी से राहत मिली हुई थी। 10 मई से तापमान में मामूली वृद्धि शुरू हो गई थी। इसके बाद हर दिन तापमान में वृद्धि दर्ज की गई है। शनिवार को इस सीजन में अधिकतम तापमान सर्वाधिक 45.6 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। न्यूनतन तापमान 0.2 डिग्री सेल्सियस की कमी के साथ 23.8 डिग्री दर्ज किया गया। गत वर्ष भी 17 मई को अधिकतम तापमाना 45.2 डिग्री दर्ज किया गया था। तापमान में वृद्धि के कारण सुबह से ही गर्म हवाएं चलनी शुरू हो गई, जिससे दोपहर बाद तक लू के थपेड़ों ने लोगों को घरों में ही दुबके रहने पर मजबूर कर दिया। जिन लोगों को जरूरी काम था, वही घरों से बाहर निकले। सड़कों पर दोपहर के समय सन्नाटा सा छाया रहा, जबकि बाजार पूरी तरह सूने रहे। शाम के समय ही लोग बाजार में निकलने लगे।

रेवाड़ी। शनिवार को तापमान 45 पार होने पर महाराणा प्रताप चौक पर पसरा सन्नाटा।

बिजली भी भारी गर्मी में दे रही झटके

गर्मी के प्रचंड रूप धारण करने के बाद बिजली की खपत भी तेजी से बढ़ी है। बिजली की डिमांड 90 लाख यूनिट तक पहुंच गई है, जिससे लोगों को भारी गर्मी के मौसम में पावर कटों का सामना भी करना पड़ रहा है। कई जगह ट्रांसफार्मर और सिस्टम की ओवरलोडिंग के कारण फीडर ट्रिप कर रहे हैं, जिससे बार-बार लोगों को अनावश्यक कटों का सामना करना पड़ रहा है। पावर सब स्टेशनों में सीटी को ठंडा करने के बाद कूलरों का इस्तेमाल किया जाने लगा है। अगर गर्मी का रूप प्रचंड बना रहा, तो आने वाले दो-तीन दिनों में लोगों को बार-बार कटों का सामना करना पड़ सकता है।

सूचना

मैं, Dashrath पुत्र Harish Chander निवासी भाकली तह कोसली जिला रेवाड़ी हरियाणा बयान करता हूं कि मेरे बैंक के सर्विस रिकार्ड में मेरा नाम D.H. Yadav दर्ज है जबकि मेरा सही व दुरूस्त नाम Dashrath है जोकि मेरे आधार कार्ड, पैन कार्ड व सेना के दस्तावेजों में भी दर्ज है। Dashrath व D.H.Yadav दोनों नाम मुझ एक ही व्यक्ति के है। भविष्य में मुझे Dashrath नाम से जाना जाएगा।

खबर संक्षेप

गंदे पानी के नाले में मिला व्यक्ति का शव

कोसली। नेहरूगढ़ गांव से शुक्रवार प्रातः घर से निकले एक व्यक्ति का शव शनिवार को नेहरूगढ़ से नाहड़ रोड़ पर गंदे पानी की निकासी के लिए बने नाले में पाया गया है। किसी राहगीर ने नाले में पड़े शव को देखकर परिजनों को सूचना दी। सूचना पर पहुंची नाहड़ पुलिस ने मृतक प्रेम सिंह के भाई धर्मवीर के लिखित ब्यान पर संयोग से हुई मौत की घटना दर्ज कर मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। मृतक के भाई धर्मबीर ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनके बड़े भाई प्रेम सिंह शुक्रवार प्रातः दिमागी हालत ठीक नहीं होने के कारण घर से चले गए थे। उन्होंने भाई की काफी तलाश की, लेकिन उनका कोई पता नहीं चल पाया। शनिवार सुबह सुबह नेहरुगढ से नाहड़ रोड़ पर गंदे पानी की निकासी वाले नाले में प्रेम सिंह को गिरा हुआ पाया गया। मृतक के भाई ने किसी पर कोई संदेह नहीं जताया है।

मंत्री के नेतृत्व में आज निकलेगी तिरंगा यात्रा

रेवाड़ी। भारतीय सेना की ओर से किए गए ऑपरेशन सिंदूर की विजयगाथा को आमजन तक पहुंचाने के लिए देशभर में तिरंगा यात्रा निकाली जा रही है। इसी कड़ी में 18 मई को प्रातः 9 बजे से शहर में तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी, जिसमें केंद्रीय योजना, कार्यक्रम क्रियान्वयन, सांख्यिकी एवं संस्कृति मंत्री राव इंद्रजीत सिंह मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल होंगे। तिरंगा महाराणा प्रताप चौक से आरंभ होकर शहर के प्रमुख मार्गो पर निकाली जाएगी, जिसका समापन बावल रोड स्थित शहीद स्मारक पर होगा। इस अवसर पर विधायक लक्ष्मण यादव, बावल से विधायक डा. कृष्ण कुमार, कोसली विधायक अनिल यादव व भाजपा जिलाध्यक्ष वंदना पोपली सहित जिले के अनेक गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहेंगे।

ई-रिक्शा चोरी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

रेवाड़ी। मॉडल टाउन थाना पुलिस ने सरस्वती विहार से ई-रिक्शा चोरी करने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान बिहार के जिला बेगुसराय के गांव बरोनी निवासी व हाल में मोहल्ला सरस्वती विहार में किरायेदार रिषू कुमार के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी की गई ई-रिक्शा को बरामद कर लिया है। मोहल्ला सरस्वती विहार निवासी जसवंत ने गत 15-16 मई की रात को अपनी ई-रिक्शा को घर के बहार गली में खड़ा किया था, जिसे कोई व्यक्ति चोरी करके ले गया है। पुलिस ने मामले में त्वरित कार्यवाही करते हुए एक आरोपी रिषू कुमार को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी की गई ई-रिक्शा को भी बरामद कर लिया है। पुलिस ने आरोपी को अदालत में पेश करके न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

22 पंच, 1 सरपंच व 1 सदस्य पंचायत समिति के उप चुनाव हैं प्रस्तावित

पंद्रह जून को होंगे उप चुनाव, 24 से 30 मई तक चलेगी नामांकन प्रक्रिया

■ नामांकन प्राप्त करने के लिए 19 मई को जारी किया जाएगा नोटिस

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

हरियाणा राज्य निर्वाचन आयोग ने हरियाणा पंचायत राज निर्वाचन नियम 1994 के तहत पंचायती राज संस्थाओं के पंच व सरपंच के प्रस्तावित उप चुनाव के लिए अधिसूचना जारी की है, जिसके लिए नामांकन प्रक्रिया 24 मई से शुरू होगी, जो 30 मई तक सुबह 10 बजे से लेकर शाम 3 बजे तक चलेगी। रविवार और गजेटेड हॉलिडे के दिन नामांकन पत्र दाखिल नहीं किए जाएंगे। उप चुनाव के लिए मतदान 15 जून को होगा। जिला निर्वाचन अधिकारी व डीसी अभिषेक मीणा ने बताया कि 19 मई को नामांकन आमंत्रित करने के लिए नोटिस प्रकाशित किया जाएगा। 24 मई से 30 मई तक नामांकन पत्र प्रस्तुत किए जाएंगे और नामांकन पत्रों की सूची चस्पा की जाएगी। 31 मई को सुबह 10 बजे से नामांकन पत्रों की जांच की जाएगी। 2 जून को शाम 3 बजे तक उम्मीदवार नामांकन वापस ले सकते है और इसी दिन दोपहर उम्मीदवारों को चुनाव चिन्ह आवंटित किए जाएंगे। इसके बाद 15 जून को सुबह 8 बजे से शाम 6 बजे तक मतदान होगा और इसी दिन मतगणना करके परिणाम की घोषणा की जाएगी। कहीं भी पुनः मतदान की स्थिति बनती है तो 17 जून को पुनः मतदान कराकर परिणाम घोषित किए जाएंगे।

जिले में इन स्थानों पर होगा उप-चुनाव

जिले की पंचायती राज संस्थाओं के 22 पंच, 1 सरपंच और 1 सदस्य पंचायत समिति के उप चुनाव होंगे, जिनमें नाहड़ पंचायत समिति के वार्ड नंबर 5, नाहड़ ब्लॉक के गांव श्याम नगर में सरपंच पद व गांव गुजरवास के वार्ड नंबर 2 में पंच पद, खंड बावल के गांव रघुनाथपुरा के वार्ड नंबर 6 में पंच पद, आनंदपुर के वार्ड नंबर 7, धारण के वार्ड नंबर 7, नांगली परसापुर के वार्ड नंबर 1 में पंच पद, खंड डहीना के गांव जैनाबाद के वार्ड नंबर 13, ढाणी जरावत के वार्ड नंबर 6, कंवाली के वार्ड नंबर 10 में पंच पद, खंड धारूहेड़ा के गांव रालियावास के वार्ड नंबर 5, डवाना के वार्ड नंबर 3, लाधूवास गुर्जर के वार्ड नंबर 1 में, बालियर कलां के वार्ड नंबर 2 में पंच पद, खंड जाटूसाना के गांव कन्होरी के वार्ड नंबर 4 व 5 में पंच पद, खोल ब्लॉक के गांव सुंदरोज के वार्ड नंबर 7, माजरा मुश्तल भालखी के वार्ड नं 1 में पंच पद, रेवाड़ी खंड के गांव नयागांव के वार्ड नंबर 4 व 8, घुरकावास के वार्ड नंबर 3, गिन्दोखर के वार्ड नंबर 5, बैरियावास के वार्ड नंबर 6 व ठोठवाल के वार्ड नंबर 1 में पंच पद के लिए उप चुनाव होंगे।

पंच-सरपंच पद के लिए शैक्षणिक योग्यता

डीसी मीणा ने बताया कि उप-चुनाव की अधिसूचना के साथ ही पंचायती राज संस्थाओं के उन क्षेत्रों में जहां उप चुनाव होने हैं, आदर्श चुनाव आचार संहिता प्रभावी हो गई है, जिसकी सभी को पालना करनी होगी। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि हरियाणा राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से पंच-सरपंच पद का चुनाव लड़ने के लिए शैक्षणिक योग्यता निर्धारित की गई है। पंच-सरपंच का चुनाव लड़ने वाले सामान्य वर्ग के उम्मीदवारों के लिए दसवीं अनिवार्य योग्यता तय की गई है, जबकि महिला(सामान्य और अनुसूचित जाति के उम्मीदवारों के लिए योग्यता आठवीं होगी। हालांकि, पंच पद के लिए चुनाव लड़ने वाली अनुसूचित जाति वर्ग की महिला उम्मीदवार के मामले में न्यूनतम योग्यता पांचवीं पास होगी।

पंच पद व सरपंच के लिए निर्धारित खर्च सीमा तय

डीसी मीणा ने बताया कि पंचायती राज संस्थाओं के उप चुनाव के तहत पंच पद का चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशियों की खर्च सीमा 50 हजार रुपए, सरपंच पद का चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशियों की खर्च सीमा 2 लाख रुपए और सदस्य पंचायत समिति के लिए 3.60 लाख निर्धारित की गई है। सभी चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशियों को चुनाव खर्च का ब्यौरा रखना होगा और चुनाव परिणाम घोषित होने के 30 दिन के अंदर डीसी या राज्य चुनाव आयोग की ओर से अधिकृत अधिकारी के पास जमा कराना होगा। उन्होंने कहा कि अगर किसी प्रत्याशी की आपराधिक पृष्ठभूमि है तो उसे उसका पूरा ब्यौरा सार्वजनिक करना होगा। इसके लिए उसे स्थानीय हिंदी व अंग्रेजी समाचार पत्रों में पूरी जानकारी प्रकाशित करानी होगी।

रेवाड़ी। बैठक में मौजूद संगठन के पदाधिकारी। फोटो : हरिभूमि

बैठक में सामाजिक समरसता व महिला सशक्तिकरण पर हुआ मंथन

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

अंतर्राष्ट्रीय गुरू रविदास विश्व महापीठ की एक बैठक शनिवार को दिल्ली स्थित अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष दुष्यंत कुमार गौतम के निवास पर सम्पन्न हुई। इस अवसर पर संगठन के प्रमुख पदाधिकारियों ने सामूहिक रूप से सामाजिक समरसता, संगठनात्मक विस्तार और महिला सशक्तिकरण पर मंथन किया। बैठक में हरियाणा महिला मोर्चा की नवनियुक्त कुमारी गीता का स्वागत करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दी गई।

दुष्यंत गौतम ने कहा कि कुमारी गीता के नेतृत्व में महिला मोर्चा और अधिक सक्रिय, संगठित और प्रभावशाली भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि समाज के उत्थान में महिलाओं की भागीदारी अत्यंत आवश्यक है। कुमारी गीता इस जिम्मेदारी को प्रभावी ढंग से निभाते हुए महिला मोर्चा को सशक्त बनाने की दिशा में काम करेंगी। कुमारी गीता ने कहा कि संगठन ने उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी है, वह उसे पूरी निष्ठा और इमानदारी से निभाएंगी। बैठक में गुरू रविदास के विचारों को देश और विश्व स्तर पर फैलाने के संकल्प के साथ-साथ संगठन की आगामी योजनाओं पर भी विचार किया गया।

ये रहे मौजूद

बैठक में अंतर्राष्ट्रीय महामंत्री आत्माराम परमार, राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरजीत, मध्य प्रदेश से राष्ट्रीय महामंत्री सूरज कैरो, दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष मनोज कुमार, पंजाब के राष्ट्रीय महामंत्री राजेश बगा, उत्तर प्रदेश से लखनऊ प्रभारी बृजेश निमी, संगठन मंत्री राजेश सुनारिया व राजवीर तथा हरियाणा प्रदेश अध्यक्ष रामलाल आर्य उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर श्री दुष्यंत गौतम का पारंपरिक स्वागत किया और संगठन के प्रति उनके योगदान की सराहना की।

संस्कृत अध्यापक को डिजिटल अरेस्ट कर

साइबर ठगी करने के मामले में तीन और आरोपी गिरफ्तार

■ 4 लाख 18 हजार 999 रुपये ठगने के मामले में कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

साइबर थाना पुलिस ने गांव जाहिदपुर निवासी एक संस्कृत अध्यापक को डिजिटल अरेस्ट कर 4 लाख 18 हजार 999 रुपये ठगने के मामले में तीन और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान यूपी के जिला अमरोहा के गांव कैसला निवासी बब्बू अली, जिला मुरादाबाद के नयागांव अंबेडकर नगर निवासी शीलचंद्र व मोहम्मद शकूर के रूप में हुई हैं। पुलिस इस मामले में तीन आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी हैं। गांव जाहिदपुर निवासी सुधीर सिंह संस्कृत अध्यापक है। गत 7 जनवरी को उनके मोबाइल पर किसी मोहित हांडा नाम के एक व्यक्ति का फोन आया और उसने बताया कि किसी कृष्ण गुप्ता नाम के व्यक्ति ने मुंबई में उसकी आईडी पर उनके नाम से बैंक खाता खोल कर मनी लांड्रिंग की है और करीब 68 लाख 50 हजार रुपए जमा कराए हैं तथा वह अभी सीबीआई की गिरफ्त में है। आरोपी ने बताया कि मुंबई पुलिस ने उसे भी डिजिटल अरेस्ट किया है। आरोपी ने उसे व्हाट्सएप पर डिजिटल अरेस्ट का ऑर्डर भी भेजा। इसके बाद आरोपी ने उसे एक यूपीआई आईडी भी भेजी और 16 हजार रुपए जमा करने के लिए कहा। डर के कारण उसने पैसे जमा करा दिए। आरोपी ने डरा धमका कर उससे विभिन्न ट्रांजेक्शन के जरिए 4 लाख 18 हजार 999 रुपये ट्रांसफर करा लिए। इसके बाद उसके एक साथी के घर आने के बाद, उसे हकीकत का पता चला। पुलिस ने साइबर थाने में ठगी का मामला दर्ज करके मामले में संलिप्त तीन आरोपी राजस्थान के जिला झुंझुनू के गांव ढाणी नवोडी निवासी आशीष मिठारवाल, जिला जोधपुर की शक्ति कॉलोनी निवासी सौरव पंवार व जिला जोधपुर के गांव कापेडा निवासी बुधराज उर्फ बुधाराम को पहले ही गिरफ्तार कर लिया था।

रेवाड़ी। पुलिस गिरफ्त में ठगी करने वाले आरोपी।

खुला दरबार में 35 में से आठ शिकायतों का हुआ निपटान, सरचार्ज माफी योजना की दी जानकारी

डीएचबीवीएन की ओर से गांव बुड़ोली में सुनी गई बिजली उपभोक्ताओं की शिकायतें

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोसली

गांव बुड़ोली स्थित दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम एसडीओ कार्यालय में अधीक्षण अभियंता प्रदीप कुमार चौहान की अध्यक्षता में खुला दरबार का आयोजन किया गया। खुला दरबार में 35 शिकायतों को सुना गया, जिनमें से आठ का मौके पर ही निपटारा किया गया। खुले दरबार में 35 में से 29 शिकायत उपमंडल कार्यालय बुड़ोली, 4 उपमंडल कार्यालय बेरली व 2 उपमंडल पाली गोठड़ा से संबंधित प्राप्त हुईं। इन शिकायतों में पोल व तार बदलने के लिए 10, एचटी व एलटी लाईन शिफ्ट कराने के लिए 5, बिजली बिल ठीक कराने व ढीले तारों को ठीक कराने के लिए चार-चार शिकायतें मिली। ट्रांसफार्मर लगवाने, ट्यूबवेल कनेक्शन व ढाणी कनेक्शन से संबंधित 12 शिकायतें मिली, जिसमें 8 शिकायतों का मौके पर ही समाधान किया गया। बिजली सरचार्ज माफी योजना के तहत गांव मंदोला निवासी कैलाशचन्द्र का 5690 रुपए का बिल ठीक करने के उपरांत 4081 रुपए का लाभ दिया गया। अधीक्षण अभियंता ने 27 शिकायतों के समाधान के लिए कार्यकारी अभियंता व उपमंडल अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि उपभोक्ताओं को सुचारू रूप से विद्युत आपूर्ति मिलनी चाहिए। एसई चौहान ने उपभोक्ताओं को निगम की ओर से चलाई जा रही वीडीएस स्कीम व बिजली सरचार्ज माफी योजना की जानकारी दी। उन्होंने उपभोक्ताओं से दोनों स्कीमों का लाभ उठाने की अपील की। इस मौके पर कार्यकारी अभियंता विजयपाल यादव, उपमंडल अधिकारी विकासदीप व एचडीएम विक्रम सहित अन्य अधिकारी व ग्रामीण उपस्थित थे।

रेवाड़ी। बुडोली में उपभोक्ताओं की शिकायतों का निपटारा करते अधीक्षण अभियंता।

बिल भरने के लिए कर्मचारी नियुक्ति की उठाई मांग

बुड़ौली में आयोजित खुले दरबार में गांव कदू भवानी पुरा के ग्रामीणों ने मांग पत्र सौंपा। ग्रामीणों कहा कि गांव में पिछले कुछ महीनों से बिजली कर्मचारी बिल भरने के लिए नहीं पहुंच रहे है, जबकि पहले दो महीने में एक बार जरूर आते थे। ग्रामीणों का कहना है कि अब उन्हें उनके गांव से दो किलोमीटर दूर गांव प्राणपुरा में बिल भरने के लिए बाध्य किया जाता है। उन्होंने गांव मे पहले की तरह बिजली बिल भरने के लिए कर्मचारी की नियुक्ति करने की मांग की। उन्होंने कहा कि किसानों को ट्यूबवेल के बिल प्राप्त नहीं हो रहे हैं। निगम के अधिकारियों ने मौके पर ही समस्या का निपटान करते गांव में बिल भरने के लिए कर्मचारी को भेजने के आदेश दिए। इस मौके पर गंगाबिशन, सतपाल, विजयपाल, नरेन्द्र सिंह, नीरज, सुशीला, बीना, कृष्णा, पवन कुमार, दिनेश, नरेश, सरिता, विनोद कुमार व औमप्रकाश उपस्थित थे।

गांव बोडिया कमालपुर में 28 को लगेगा मेगा लीगल सर्विस कैंप

न्यायाधीश गुरविंदर सिंह वाधवा के मार्गदर्शन व मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी कम सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अमित वर्मा की देखरेख में लगेगा कैंप

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण पंचकूला के आदेशानुसार व जिला एवं सत्र न्यायाधीश गुरविंदर सिंह वाधवा के मार्गदर्शन व मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी कम सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अमित वर्मा की देखरेख में जिला प्रशासन के सहयोग से आगामी 28 मई को जिले के पीएम श्री वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय गांव बोडिया कमालपुर में मेगा लीगल सर्विस कैंप का आयोजन किया जाएगा।

सीजेएम अमित वर्मा ने बताया कि कैंप में जिला प्रशासन से विभिन्न विभाग जैसे ट्रैफिक, फैमिली आईडी, आयुष्मान कार्ड, हेल्थ चेकअप कैंप, सर्व शिक्षा अभियान, हाउसिंग स्कीम्स, किसानों के लिए योजनाएं, बीमा योजनाएं, बैंकिंग सहायता, पेंशन, सुकन्या समृद्धि योजना, रेडक्रॉस सोसायटी, आधार कार्ड व लेबर कार्ड इत्यादि विभाग शामि होंगे, जो जनता को विभिन्न प्रकार की सेवाएं प्रदान करेंगे और योजनाओं की जानकारी देंगे। सीजेएम ने बताया की मेगा सर्विस कैंप नेशनल लीगल सर्विस अथॉरिटी द्वारा हर जिले में लगाए जा रहे हैं। इन कैंप के द्वारा आमजन सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं व स्कीम का लाभ उठा सकते है।

सीजेएम अमित वर्मा।

खाद्य सुरक्षा व पदार्थों में मिलावट को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

■ प्राचार्य सुनील यादव ने कहा कि खाद्य सुरक्षा व खाद्य मिलावट आज के समय की सबसे गंभीर समस्या

हरिभूमि न्यूज. ⏭ कोसली

कोसली के राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में खाद्य सुरक्षा व खाद्य पदार्थों में मिलावट को लेकर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्राचार्य सुनील यादव ने कहा कि खाद्य सुरक्षा व खाद्य मिलावट आज के समय की सबसे गंभीर समस्या है। खाद्य पदार्थों में मिलावट की जांच करके ही उनका प्रयोग करना चाहिए। अधीक्षक रमेश कुमार ने प्रशिक्षुओं को हाइजीन व खाद्य पदार्थों में मिलावट की जांच के बारे में बताया तथा दूध, घी, मिर्च, मसाले व नमक की आसान तरीकों से जांच करने के तरीके बताएं। हेल्दी डाइट के फायदे व जंक फूड के नुकसान के बारे में बताया। आईटीआई के ग्रुप इन्स्ट्रक्टर सत्यप्रकाश ने बताया कि पके हुए भोजन को दूषित होने से बचाने के लिए कच्चे और पके हुए भोजन को अलग रखें। रोगाणुओं को नष्ट करने के लिए खाद्य पदार्थों को उचित समय तक और उचित तापमान पर रखें। सुरक्षित जल एवं सुरक्षित कच्चे माल का उपयोग करें, तभी हम खाद्य सुरक्षा और खाद्य मिलावट से बच सकते हैं।

राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान कोसली के वरिष्ठ जीआई विजय यादव ने सभी का आभार व्यक्त किया। इस मौके पर राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान से आदित्य यादव, ग्रुप इंस्ट्रक्टर, निर्मल, आकाश व नवीन सहित सभी स्टाफ सदस्य मौजूद थे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
रेवाड़ी कार्यालय : दुकान नंबर 67, दुर्गा मार्केट, सेक्टर-1 वाला कच्चा रास्ता, नजदीक महाराणा प्रताप चौक, बावल रोड, रेवाड़ी सम्पर्क करें: 8053076211, 8295738500, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 1500/- रु. 2000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
रेवाड़ी : दुकान नंबर 67, दुर्गा मार्केट, नजदीक महाराणा प्रताप चौक, बावल रोड, रेवाड़ी फोन : 9653537253, 9671434260

राजनीति

केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह के नेतृत्व में आज निकलेगी यात्रा

पिक्चर से गायब रहेगी 'असली' भाजपा, टीम वंदना दिखाएगी तिरंगा यात्रा में दम

■ खुद को 'असली भाजपा' बताने वाले नेता नहीं आएंगे नजर

नरेन्द्र वत्स ⏭ रेवाड़ी

अहीरवाल के दिग्गज नेता राव इंद्रजीत सिंह के वर्ष 2013 में भाजपा में शामिल होने के बाद उनसे दूरी बनाए रखने वाले पुराने भाजपा नेताओं के सुर शांत होने में लगभग एक दशक का समय लग गया। खुद को 'असली भाजपा' बताने वाले नेताओं के सितारे बीते विधानसभा चुनावों के बाद इस कदर गर्दिश में नजर आने लगे हैं कि अब संगठन में भी वह पूरी तरह हासिए पर हैं। भाजपा जिलाध्यक्ष डा. वंदना पोपली की टीम 18 मई को केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह के नेतृत्व में तिरंगा यात्रा में भारी भीड़ जुटाने की पूरी तैयारी कर चुकी है, तो दूसरी ओर इस यात्रा को लेकर राव विरोधी खेमा पूरी तरह शांत नजर आ रहा है। शहर में रविवार को निकाली जाने वाली तिरंगा यात्रा में राव समर्थक भी पूरी ताकत लगाने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे।

कांग्रेस छोड़कर भाजपा ज्वाइन करने वाले राव की पार्टी में उपस्थिति को उनका विरोधी खेमा लंबे समय तक नहीं पचा पाया था। पूर्व सीएम मनोहरलाल के साथ छत्तीस का आंकड़ा होने के कारण पार्टी संगठन से लेकर सरकार तक में राव विरोधी खेमे को लगातार तवज्जो मिलती रही, जबकि उनके खास समर्थक महत्वपूर्ण पदों से वंचित रहे।

पूर्व विधायक रणधीर सिंह कापड़ीवास और पर्यटन निगम के पूर्व चेयरमैन डा. अरविंद यादव की राव के साथ कभी पटरी नहीं बैठी। वर्ष 2019 के विधानसभा चुनावों में जब रेवाड़ी से राव ने सुनील मुसेपुर को भाजपा की टिकट दिलाई, तो पूरा विरोधी खेमा राव को शिकस्त देने के लिए एकजुट हो गया। पार्टी की गुटबाजी के चलते सुनील जीत के करीब पहुंचकर फिसल गए थे। राव ने डा. अरविंद यादव के सिर पर सुनील की हार का ठीकरा फोड़ा, तो अरविंद को हरको बैंक के चेयरमैन की जिम्मेदारी सौंपकर तत्कालीन सीएम मनोहरलाल ने राव खेमे को बड़ा झटका देने का काम कर दिया था। राव खेमे की ओर से इसका विरोध भी किया गया, परंतु अरविंद को दूसरी योजना में भी पर्यटन निगम के चेयरमैन पद की जिम्मेदारी दी गई। संगठन में राव समर्थकों को महत्वपूर्ण पदों से दूर रखा गया। प्रदेश कार्यकारिणी में शामिल होने के बावजूद सुनील को संगठन में कोई जिम्मेदारी नहीं दी गई।

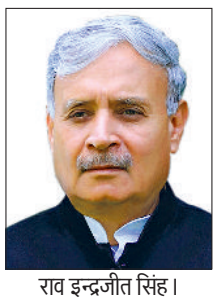

राव इन्द्रजीत सिंह।

वंदना पोपली।

अनिल यादव।

डा. कृष्ण कुमार।

मजबूत पकड़ ने बढ़ाया राव का भाव

विधानसभा चुनावों में राव के सभी समर्थकों को मिली जीत के बाद पार्टी के शीर्ष नेतृत्व को इस बात का आभाष हो गया कि इस इलाके में राव की काट आसान नहीं है। राव को भाव देते हुए 'परिवारवाद' विरोधी राजनीति करने वाली भाजपा के लिए उनकी बेटी को प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री बनाना मजबूरी बन गया। अब असली भाजपा नेता बताने वाले नेताओं की डोर संगठन में कमजोर हो चुकी है। यह नेता अब राव के खिलाफ बयानबाजी करने की आदत से बचते हुए आराम फरमाने को मजबूर हो गए हैं।

पिछले चुनावों के बाद बदल गए हालात

गत लोकसभा चुनावों में पांच सीटें खो चुकी भाजपा के शीर्ष नेतृत्व को लगातार तीसरी बार प्रदेश में सरकार बनाने पर संशय नजर आ रहा था। पार्टी की उम्मीद एक बार फिर दक्षिणी हरियाणा की दस से ज्यादा सीटों पर टिकी हुई थी। टिकट वितरण के समय एक बार फिर विरोधी खेमे ने राव को अलग-थलग करने के लिए पूरी ताकत लगाई थी, परंतु शीर्ष नेतृत्व ने बिना को जोखिम उठाए अधिकांश सीटों पर टिकट का फैसला राव पर छोड़ दिया। राव ने जिन चेहरों को मैदान में उतारा, वह उन सभी को विधानसभा भेजने में भी कामयाब रहे।

हरिभूमि रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक, रविवार 18 मई 2025

कवर स्टोरी
डॉ. मोनिका शर्मा

कुछ समय पहले वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन ने डिजिटल डिवाइसेस की लत को दुनिया भर में एक चिंताजनक समस्या बताया है। हर उम्र के लोग इसकी गिरफ्त में आ रहे हैं। इससे न केवल उनकी शारीरिक-मानसिक सेहत पर बुरा असर पड़ रहा है, लोग अनिद्रा के भी शिकार हो रहे हैं। ऐसे में जरूरी है कि हम इस लत की गंभीरता को समझें और इससे बचने के लिए हर संभव प्रयास करें।

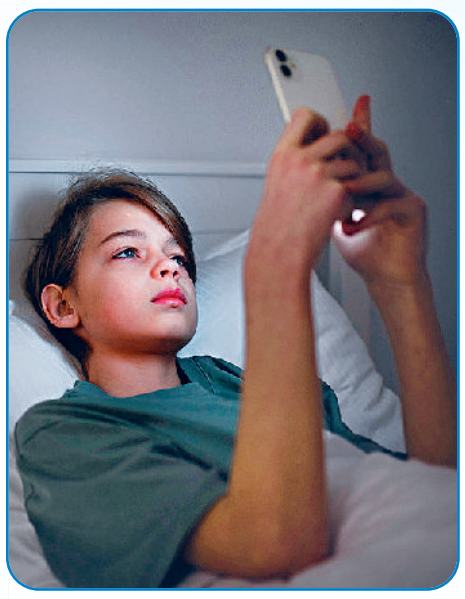

डिजिटल डिवाइसेस की लत
उड़ रही नींद-बिगड़ रही सेहत

हाल में फ्रंटियर्स इन साइकिएट्री जर्नल में प्रकाशित अध्ययन के अनुसार बिस्तर पर जाने के बाद एक घंटे तक स्क्रीन देखते हुए बिताने से अनिद्रा के लक्षण 59 प्रतिशत तक बढ़ जाने की संभावना होती है। स्मार्ट गैजेट्स की स्क्रीन से निकलने वाली ब्लू लाइट के साथ समय बिताने से नींद का टाइम पीरियड भी 24 मिनट कम हो सकता है। अध्ययन में यह भी सामने आया है कि चाहे सोशल मीडिया पर समय बिताएं, रील्स देखें या ओटीटी प्लेटफॉर्म पर किसी तरह का कंटेंट देखा जाए, सोने से पहले स्क्रीन से निकलने वाली नीली रोशनी में बिताया जाने वाला समय ही मायने रखता है। माध्यम कोई भी हो, स्क्रीन टाइम अब लोगों की नींद को डिस्टर्ब करने वाली बड़ी वजह बन रहा है।

नींद पर पड़ रहा बुरा असर

रात के समय लोगों का स्क्रीन टाइम बढ़ने की कई वजहे हैं। इनमें से एक वजह यह है कि दिन भर घर-दफ्तर की भाग-दौड़ के बाद रात को आराम का समय मिलने पर अधिकतर लोग स्क्रीन में ही झांकते रहते हैं। मेल, मैसेज या दूसरी जानकारियां देखने के साथ ही रात को सोने से पहले बहुत सा समय सोशल मीडिया स्क्रॉलिंग, रील्स और अलग-अलग तरह का कंटेंट देखने में भी लोग यूज करते हैं। स्मार्टफोन, लैपटॉप और टैबलेट जैसे डिजिटल डिवाइस अब बेडरूम में भी यूज किए जाते हैं। जिसके चलते कमोबेश हर उम्र के लोगों के सोने के समय का कुछ हिस्सा स्मार्ट डिवाइसेस के नाम हो गया है। हालिया अध्ययन कहता है कि स्क्रीन टाइम जितना ज्यादा होता है, नींद उतनी ही ज्यादा प्रभावित होती है।

दूरी बनाना है जरूरी

उक्त शोध के अध्ययनकर्ताओं और स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने सोने से कम से कम एक घंटे पहले मोबाइल या अन्य किसी डिजिटल उपकरण का इस्तेमाल न करने की सलाह दी है। असल में अच्छी नींद के लिए मन-मस्तिष्क का शांत रहना आवश्यक है। सोने से पहले देखा गया कंटेंट कई बार मानसिक उद्वेलन का भी कारण बनता है। इतना ही नहीं स्क्रीन स्क्रॉलिंग के कारण हुई आंखों और दिमाग की थकान भी ठीक से नींद आने में बाधा बनती है। समझना जरूरी है कि नींद चुराने वाली यह जीवनशैली सोने-जागने का पूरा पैटर्न ही बिगाड़ रही है। यही वजह है कि नॉर्वे के वैज्ञानिकों द्वारा 45,202 वयस्कों पर किए गए सर्वे के नतीजों को गंभीरता से लेना जरूरी है। बिस्तर पर जाने के बाद मोबाइल के यूज से अनिद्रा के जोखिम यानी इनसोमनिया से बचने के लिए स्क्रीन से दूरी बनाने के नियम बनाना और गंभीरता से उनका पालन करना बेहद जरूरी है।

हेल्थ भी होती है प्रभावित

स्मार्ट स्क्रीन की ब्लू लाइट से नींद की गुणवत्ता तो खराब होती ही है, दिनचर्या भी बिगड़ जाती है। ठीक से आराम न मिल पाने के कारण डेली रूटीन ही नहीं, दिलो-दिमाग भी अस्त-व्यस्त रहते हैं। मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के हर पहलू पर इसका नकारात्मक असर पड़ता है। हर दिन सोने के समय में होने वाली यह अनचाही कटौती बहुत सी स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन जाती है। ये कंडीशंस हार्ट प्रॉब्लम्स, डायबिटीज, मोटापा, डिप्रेशन और उच्च रक्तचाप जैसी कई परेशानियों को बढ़ाती हैं। थका हुआ शरीर और उलझा सा मन जीवन से जुड़ी दूसरी जिम्मेदारियों के निर्वहन में भी बाधा बनता है। गैजेट्स की लत लग जाने के बाद स्क्रीन से दूरी मन में हताशा, असमंजस और बेचैनी भर देती है। वहीं नींद की कमी से बनी इस मनःस्थिति से या तो बार-बार कुछ खाते रहने की आदत लग जाती है या भूख कम हो जाती है।

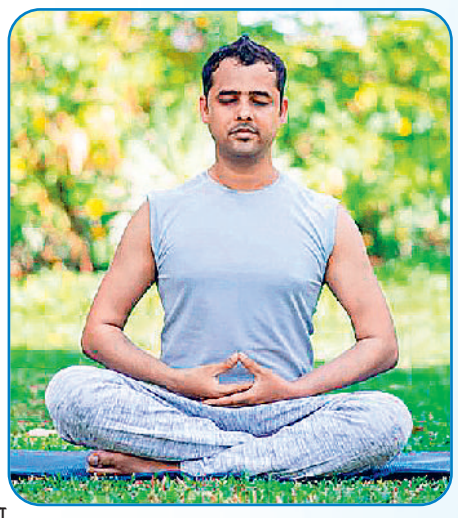

किशोरों और युवाओं में तो नींद की कमी हार्मोन असंतुलन की बड़ी वजह बनती है, जिससे कम उम्र में ही ओबेसिटी की संभावना बढ़ जाती है। सही ढंग से आराम न मिलने और सुकून की नींद लेने के समय भी स्क्रीन पर कंटेंट देखते रहने से याददाश्त भी कमजोर होती है। किसी भी काम में फोकस करने की क्षमता घटती है। उलझे-बिखरे से रूटीन में क्रोध, स्ट्रेस और अजीबो-गरीब ढंग से मूड का बदलना परेशानियों को बढ़ाता जाता है। ध्यान रहे कि सोने के समय की अवधि और गहरी नींद शरीर के लिए स्वयं अपनी संभाल-देखभाल करने का समय होता है। हमारी बॉडी खुद को रिपेयर करती है। अगले दिन की भाग-दौड़ के लिए मन-मस्तिष्क और शरीर तैयार होते हैं। सुकून से और सही समय तक सोना हमारी इम्यूनिटी को बढ़ाता है। ऐसे में अपनी सेहत बचाने और दिनचर्या साधने के लिए सोते समय स्मार्ट गैजेट्स से दूरी बना लेना ही सही है। अगले दिन की स्फूर्ति भरी शुरुआत के लिए सोने के पहले का टाइम अपनों से संवाद, किताब पढ़ने या मेडिटेशन में लगाएं। दिन में भी जब समय मिले स्मार्टफोन और लैपटॉप में बिजी रहने के बजाय योगाभ्यास करना फायदेमंद होता है।

डब्ल्यूएचओ ने किया आगाह

डब्ल्यूएचओ ने भी डिजिटल एडिक्शन से पूरी दुनिया के लोगों को आगाह किया है, क्योंकि हद से ज्यादा ऑनलाइन एक्टिविटीज और इंटरनेट का उपयोग दिन में टाइम मैनेजमेंट, ऊर्जा को सही दिशा देने और फोकस्ड रहने में असमर्थता और रात में नींद का पैटर्न बिगाड़ने या इनसोमनिया पैदा करने का कारण बनता है। ऐसे में जरूरी है कि डिजिटल होती जीवनशैली में तकनीक से मिली सुविधाएं अनुशासित होकर इस्तेमाल की जाएं। मनोरंजन, सूचनाएं, शिक्षा, काम-काज या सोशल मीडिया मंचों पर मौजूदगी, हर मामले में स्क्रीन की दुनिया से जुड़ते हुए संतुलन साधा जाए। तकनीक से घिरी आज की जिंदगी में कम से कम अपने बेडरूम को स्क्रीन-फ्री जोन जरूर बनाएं। याद रहे कि अपने लिए यह सीमा हमें खुद ही तय करनी है। *

खुद करें हैबिट कंट्रोल

आवश्यकता से अधिक इस्तेमाल की गई कोई भी चीज नुकसानदेह ही होती है। तकनीक के मामले में भी यह बात लागू होती है। वर्चुअल व्यस्तता के इस दौर में स्क्रीन स्क्रॉलिंग को हैबिट बना लेने, डिजिटल डिवाइसेस पर हद से ज्यादा निर्भर हो जाने के कई खामियाजे भुगतने पड़ते हैं। खासतौर पर नींद की कमी की वजह से मेंटल और फिजिकल हेल्थ को बहुत नुकसान होता है। इस हैबिट की वजह से हर उम्र के लोगों में शारीरिक व्याधियां और मनोवैज्ञानिक समस्याएं देखने को मिल रही हैं। वयस्क लोग तमाम व्याधियों के शिकार हो रहे हैं तो बच्चे भी ऑनलाइन गेम्स के जाल में फंस रहे हैं। उम्र के हर पड़ाव पर अनिद्रा और बेचैनी लोगों के मन-मस्तिष्क को घेर रही है। यूके के फीलगुड कॉन्टैक्ट के आंकड़ों के मुताबिक भारत में स्क्रीन टाइम की बढ़ोतरी और नजर की कमजोरी में भी गहरा संबंध देखा जा रहा है। आंखों की रोशनी कम होने और नजर खराब होने की शिकायत के मामले में भारत दुनिया की सूची में सबसे पहले स्थान पर है। करीब 27.5 करोड़ भारतीय यानी हमारी आबादी का करीब 23 प्रतिशत, बहुत ज्यादा स्क्रीन टाइम की वजह से नजर की कमजोरी से जूझ रहा है।

सोशल मीडिया पर बढ़ रही
प्रोफाइल लॉकिंग की टेंडेंसी

कुछ समय पहले तक सोशल मीडिया को ओपेन ग्लोबल डिजिटल प्लेटफॉर्म माना जाता था। लेकिन अब अनेक वजहों से लोगों में अपनी प्रोफाइल लॉक करने का ट्रेंड बढ़ रहा है। इस ट्रेंड के बढ़ने की क्या वजहें हैं? इस सोशल मीडिया ट्रेंड पर एक नजर।

टेक्नोट्रेंड
नरेंद्र शर्मा

आजकल सोशल मीडिया में अपनी प्रोफाइल लॉक करने का ट्रेंड बढ़ रहा है। पहले आमतौर पर महिलाएं ही अपनी प्रोफाइल लॉक करके रखती थीं, लेकिन अब बहुत तेजी से यह प्रवृत्ति पुरुषों में भी बढ़ी है। सवाल है, एक ओपेन प्लेटफॉर्म के तौर पर जिस सोशल मीडिया का आगाज हुआ था, अचानक बीते एक-दो सालों में ऐसा क्या हुआ है कि जिसे देखो वही अपनी प्रोफाइल लॉक किए दे रहा है? सोशल मीडिया में प्राइवेसी को लेकर इस कदर सजगता बढ़ने की वजह क्या है? क्या यह कोई साइकोलॉजिकल सिंड्रोम है या कोई नई पैदा हुई ऐसी इमोशनल इनसिक्योरिटी है, जो अबके पहले इस स्तर पर नहीं थी?

वजहें हैं कई: अगर इस ट्रेंड पर गहराई से सोचें तो यह बिना किसी मकसद के घट रही घटना नहीं है बल्कि इसके पीछे कई किस्म के सामाजिक, मनोवैज्ञानिक और डिजिटल सुरक्षा से जुड़े कारण जिम्मेदार हैं। भले इसे साइकोलॉजिकल सिंड्रोम कहना सही न हो, लेकिन इस प्रवृत्ति में भावनात्मक असुरक्षा, प्राइवेसी की बढ़ती चिंता जैसी कई बातें शामिल हैं। इनके अलावा साइबर क्राइम, फेक प्रोफाइल और डेटा चोरी से जुड़ी चिंताएं भी हैं। आजकल डीपफेक और फोटो मॉर्फिंग जैसे मामलों में भी तेजी से वृद्धि देखी जा रही है। अनजान लोगों द्वारा प्रोफाइल तस्वीरों का गलत इस्तेमाल, डिजिटल स्टॉकिंग और साइबरबुलिंग का भी डर है। ये सब ऐसे कारण हैं, जिसकी वजह से कई लोग सोशल मीडिया पर अब अपनी निजी जिंदगी को ज्यादा एक्सपोज करने से बच रहे हैं। इनके प्रोफाइल लॉक करने से ये संकेत मिलते हैं कि वे केवल करीबी लोगों के बीच ही सीमित रहना चाहते हैं।

लोग चाहते हैं डिजिटल डिटॉक्स: लोगों में बढ़ते इस ट्रेंड की एक वजह डिजिटल डिटॉक्स और मानसिक शांति की चाहत भी है। ऐसे लोग अपनी ओपेन प्रोफाइल रखकर बार-बार लाइक्स, कमेंट्स और स्टोरीज के रिएक्शन पर ध्यान देने की बजाय अपनी डिजिटल मौजूदगी को सीमित कर रहे हैं। कुछ लोगों के मुताबिक इसकी एक वजह सोशल मीडिया का बदलता पैटर्न भी है। पहले लोग खुली प्रोफाइल रखते थे, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग उनकी पोस्ट देखें। लेकिन अब ट्रेंड बदल गया है और 'एक्सक्लूसिविटी' बढ़ रही है। लोग अब यह दर्शाना चाहते हैं कि वे हर किसी के लिए उपलब्ध नहीं हैं। इससे एक अलग तरह की सोशल स्टेटस सिग्नलिंग होती है कि 'मैं केवल अपने करीबी लोगों के लिए हूं।'

डिजिटल प्राइवेसी को लेकर बढ़ी एलर्टनेस: मनोवैज्ञानिकों के मुताबिक इस प्रवृत्ति में एक किस्म की 'फियर ऑफ मिसिंग आउट' साइकोलाजी भी छिपी है। जब लोग देखते हैं कि उनके ज्यादातर दोस्त या जानने वाले अपनी प्रोफाइल लॉक कर रहे हैं, तो वे भी ऐसा करने लगते हैं। यह एक तरह की 'डिजिटल हर्ड मेंटेलिटी' है। लोगों को लगता है कि अगर वे अपनी प्रोफाइल ओपेन रखेंगे तो वे अलग नजर आएंगे या उनकी डिजिटल सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है। यह एक साइको सिंड्रोम से कहीं ज्यादा सामाजिक प्रवृत्ति और डिजिटल सुरक्षा की बढ़ती जागरूकता का संकेत है। हालांकि इसमें भावनात्मक असुरक्षा और सोशल मीडिया की बदली हुई डायनामिक्स का भी बड़ा योगदान है। यह दर्शाता है कि लोग अब अपनी डिजिटल प्राइवेसी और ऑनलाइन पहचान को लेकर ज्यादा सतर्क हो रहे हैं। कह सकते हैं कि यह एक सोशल ट्रेंड और डिजिटल सिक्योरिटी की बढ़ती एलर्टनेस का संकेत है। साथ ही यह भी दर्शाता है कि लोग अब अपनी डिजिटल प्राइवेसी और ऑनलाइन पहचान को लेकर कहीं ज्यादा एलर्ट हो रहे हैं।

मॉनिटरिंग-ट्रैकिंग भी है जिम्मेदार: सोशल मीडिया पर प्रोफाइल लॉक करने के पीछे विभिन्न देशों की सरकारों द्वारा सोशल मीडिया पर की जाने वाली मॉनिटरिंग और ट्रैकिंग का भी असर है। सोशल मीडिया पर 'संदिग्ध' या 'एंटी-नेशनल' कंटेंट पोस्ट करने वालों को ट्रैक किया जाता है, इसके कारण भी लोगों को बहुत डर लगने लगा है कि अगर किसी ने उनके एकाउंट को हैक कर मिसयूज किया तो वे फंस सकते हैं। इस कारण आम लोग भी अब बहुत सतर्क हो गए हैं और अपनी प्रोफाइल लॉक करके रखना सही समझते हैं। कई लोग 'डिजिटल लिंचिंग' से बचने के लिए अपनी प्रोफाइल लॉक कर देते हैं ताकि कोई उनके पुराने पोस्ट न खोज सके। कुछ बैंकिंग और वित्तीय कारण भी हैं, क्योंकि आधार, बैंक अकाउंट, सरकारी सब्सिडी आदि से जुड़ी जानकारी लीक होने का डर तेजी से बढ़ रहा है।

उभर रहा डिजिटल अंडरग्राउंड: इस बढ़ते ट्रेंड की वजह से लगता है, जैसे धीरे-धीरे सोशल मीडिया, ओपन से क्लोज्ड स्पेस की ओर बढ़ रहा है। ज्यादा से ज्यादा लोग प्राइवेट ग्रुप्स, टेलीग्राम चैनल्स और एनक्रिप्टेड चैट्स का इस्तेमाल कर रहे हैं। लॉक प्रोफाइल एक नए डिजिटल अंडरग्राउंड की तरह उभर रही है। डिजिटल अंडरग्राउंड यानी, एक ऐसी ऑनलाइन दुनिया, जो मुख्यधारा के खुले इंटरनेट से कटकर निजी, हिडेन और प्रोटेक्टेड प्लेटफॉर्म्स पर शिफ्ट हो रही है। *

गजल
अब्दुल कलाम

...जो होना था

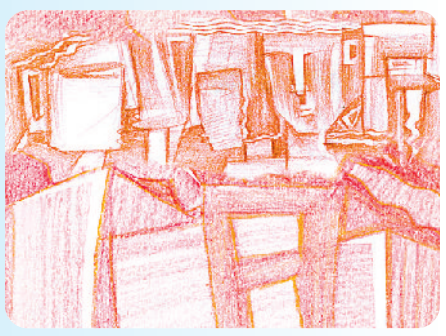

लाख चाहा मगर हुआ वही जो होना था
अपनी तकदीर में लिखा फकत रोना था
किसी को हासिल थे तख्त व ताज यहां
कहीं फुटपाथ पर अखबार ही बिछौना था
सुनकर ही कलेजा मुंह को आ गया
मंजर आतंक का कुछ इस कदर घिनौना था
तब कहीं जाकर दुआ कबूल होती
अपना दामन हमें आसुओं से भिगोना था
बरसात में टपकती हुई छत के नीचे
नहीं महफूज घर में कोई कोना था
उन्हें सुविधा मिली और वे ही नामवर हुए
जिनको इस जहां में नफरत की फसल बोना था

कहानी / सुधा रानी तैलंग

चौकीदार अम्मा

एक बिल्डर के यहां चौकीदारी करने वाली बूढ़ी अम्मा का एक बेटा तो था, लेकिन वह उनसे अलग रहता था। हालांकि कहने को अम्मा जी की देख-भाल करने वाले बहुत से अपने लोग थे, लेकिन सच यही था, वह एक पीड़ा के साथ अपनी जिंदगी जी रही थीं। एक मर्मस्पर्शी कहानी।

ठिगना कद, घुंघराले बाल, गेहुंआ रंग, चश्मे से झांकती हुई अनुभवी आंखें, लांगदार किनारे वाली साड़ी, पैरों में मर्दाना जूते और हाथ में बड़े डायल की पुरानी घड़ी, चौकीदार अम्मा की यही पहचान थी। उनका नाम तो शायद किसी को भी पता नहीं था, लेकिन पूरी कॉलोनी में वह चौकीदार अम्मा के नाम से ही पहचानी जाती थीं।

छत्रसाल कॉलोनी में एक बिल्डर के यहां अम्मा चौकीदारी का काम बरसों से कर रही थीं। बिल्डर के जितने भी प्रोजेक्ट होते थे, उन सबकी जिम्मेदारी वह एक बुजुर्ग महिला होने के बाद भी पूरी कर्मठता से निभा रही थीं। पैंसठ साल की उम्र में भी अम्मा में गजब की फुर्ती और आवाज में रौब था। उनकी एक ही आवाज से मजदूरों के रुके हुए हाथ काम करना शुरू कर देते थे। लेकिन मजदूर उनकी बहुत इज्जत भी करते थे। कितना सीमेंट, पत्थर, चूना, ईंटें में खर्च हो रहा है, इसका हिसाब मुंह जुबानी बता देती थीं। अम्मा कभी स्कूल नहीं गई थीं, लेकिन हिसाब-किताब में वह पढ़े-लिखे लोगों को भी मात कर देती थीं। अम्मा के कहने को तो एक बेटा था, वह अच्छी नौकरी में था, किंतु शादी के बाद वह अलग रहने लगा। एक ही घर में बहू-बेटे से अलग रहना स्वाभिमानी अम्मा को गवारा नहीं हुआ, वह अपना घर छोड़ कर चुपचाप चली आईं। अम्मा बताया करती हैं कि उनके पति प्राइवेट नौकरी में थे। अचानक ही एक रोड एक्सीडेंट में उनकी मौत हो गई। बेटा अमर जब तक स्कूल में पढ़ता रहा। उन्होंने घरों में काम-काज करके बेटे को पढ़ाया-लिखाया। बेटे की नौकरी लगने के बाद उसकी शादी भी कर दी, यही सोचकर कि अब उनके सुख के दिन आएंगे। लेकिन कुछ ही दिनों बाद बहू ने उनसे स्पष्ट शब्दों में ही कह दिया कि वह उनके साथ एडजस्ट नहीं कर पाएंगी। बेटे की खुशी के लिए उन्होंने अपना ही घर-बार छोड़ दिया और एक बिल्डर के यहां काम करने लगीं। अपनी ईमानदारी और मेहनत के बल पर अम्मा चौकीदारी के साथ दूसरे और कई काम भी संभालती थीं। बिल्डर को उन पर बहुत विश्वास था।

कॉलोनी के कोने के एक खाली प्लॉट में अम्मा का टीन शेड वाला एक कमरा था, उसमें एक मूंज की बुनी हुई खाट, प्लास्टिक की कुर्सी, छोटा-सा एक बर्नर वाला गैस का चूल्हा, कुछ बर्तन, रस्सी में टंगे कपड़े ओर एक छोटा-सा ट्रांजिस्टर ही अम्मा की पूंजी थी। ट्रांजिस्टर से उनको बहुत लगाव था। सुबह छह बजे से उसमें चिंतन, भजन, हनुमान चालीसा के अलावा बुंदेलखंडी लोकगीतों को सुनते हुए आठ बजे तक उनकी काम में जाने की तैयारी हो जाती। दिन भर बिल्डर के यहां काम करने के बाद शाम को जब काम खत्म हो जाता, अम्मा अपने कमरे में आकर खाना बनातीं और खाना खाकर सामने के पार्क में जाकर बैठ जातीं।

अम्मा के वहां पहुंचते ही बच्चों की भीड़ उनको घेर लेती। अम्मा उन्हें कभी परियों की कहानी सुनातीं तो कभी भक्त प्रह्लाद, ध्रुव, राम, कृष्ण, बाल गणेश की कथाएं सुनातीं तो कभी झांसी की रानी, दुर्गावती, भगत सिंह, गांधी, सुभाष, की जीवन गाथा सुनातीं। कई बार बच्चों को भी ताज्जुब होता था कि लोग तो कहते हैं कि अम्मा पढ़ी-लिखी नहीं हैं फिर भी इनको इतना ज्ञान कैसे है? अम्मा कॉलोनी के बच्चों की बेस्ट फ्रेंड की तरह थीं।

उनकी एक ही आवाज में बच्चे इकट्ठे हो जाते थे। कई बार तो कॉलोनी की औरतें अम्मा से कहतीं, 'अम्मा जी, आपने पता नहीं क्या जादू कर रखा है बच्चों पर, ये हमारा तो कहना ही नहीं मानते और आपकी हर बात खुशी-खुशी मानते हैं। कुछ महिलाएं तो अम्मा से अपने बच्चों की शिकायत करतीं, 'अम्मा आपका लाडला जब देखों तब पिज्जा, बर्गर, मोमोज ही खाने की जिद करता है, अब आप ही इसे समझाइए।' फिर अम्मा बड़े प्यार से बच्चों को समझातीं, 'देखो बच्चो, तुम पिज्जा, बर्गर और मोमो खाओगे तो कैसे स्वस्थ रहोगे। तुम्हें तो हरी सब्जी, फल, दूध और घर का ही बना खाना चाहिए। पौष्टिक खाना खाओ, खूब खेलो और खूब पढ़ो। अपनी अम्मा की बात मानोगे तो मजे से रहोगे।' ये सुनते ही बच्चे समवेत स्वर में बोलते, 'जरूर मानेंगे।'

अगर एक दिन भी अम्मा रात को पार्क में नहीं पहुंचतीं तो बच्चे उनको बुलाने उनके कमरे में पहुंच जाते। किसी दिन अम्मा जरा भी बीमार हो जातीं तो कोई बच्चा उनके लिए दवाई, तो कोई चाय, दूध और खाना लेकर पहुंच जाता। बच्चों का इतना प्यार देख कर अम्मा की आंखों में भी आंसू आ जाते। उन्हें अपने बेटे की याद आ जाती। एक दिन पता चला कि बिल्डर के प्रोजेक्ट का काम पूरा होने वाला है। कॉलोनी में सभी को चिंता थी कि काम पूरा होते ही बिल्डर के दूसरे प्रोजेक्ट की साइट पर अम्मा भी यहां से चली जाएंगी।

अम्मा के बिना तो कॉलोनी ही सूनी हो जाएगी। उनके बच्चों को जो संस्कार, प्यार, अपनापन मिल रहा है, वो अम्मा के जाने के बाद कहां मिल पाएगा।

गर्मियों के दिन थे। सुबह का वक्त था। अचानक ही चक्कर खाकर चौकीदार अम्मा बिल्डिंग की सीढ़ियों से गिर गईं। बिल्डर ने तुरंत उनको हॉस्पिटल पंहुचाया। अम्मा के हाथ में फ्रेक्चर था। बिल्डर के साथ-साथ कॉलोनी के सभी बच्चों के परिवार वालों ने भी उनके इलाज में कोई कमी नहीं रखी। जब तक अम्मा आईसीयू में रहीं, तब तक कॉलोनी के सारे बच्चे शिव मंदिर में भगवान से उनके ठीक होने की मन्नत मानते रहे। अम्मा के ठीक होने पर बच्चों की टोली अम्मा से मिलने हॉस्पिटल पहुंच गई। नींद में उनके मुंह से कई बार अमर शब्द सुनकर डॉक्टर ने पूछा, 'यह अमर कौन है?'

किसी ने बताया कि उनका बेटा है। डॉक्टर ने एक बार उन्हें बुलाने को कहा। कॉलोनी के बच्चों ने बिल्डर से पूछ कर अम्मा के बेटे अमर का पता लगाया। वे उसके पास गए। उन्होंने अम्मा के हॉस्पिटल में एडमिट होने के बारे में बताया, उससे रिक्वेस्ट की, वह अम्मा के पास चलें। छोटे-छोटे बच्चों के आग्रह ने असर दिखाया। अमर सोचने लगा कि छोटे-छोटे पराए बच्चों को भी कुछ ही समय में मां ने प्यार से अपना बना लिया है। एक वह है, बाबूजी के जाने के बाद मां ने मेहनत, मजदूरी करके उसे पढ़ाया-लिखाया, अपने पैरों पर खड़ा किया। अपनी शादी की, शादी के बाद वह स्वार्थ में इतना अंधा हो गया कि अपने फर्ज को भूल गया। अपनी गलती पर अमर मन ही मन में बहुत शर्मिंदा था।

अमर की पत्नी ने अमर से कहा, 'देर मत करो। अम्मा जी के पास चलो।' अमर पत्नी और अपने बेटे बंटी के साथ हॉस्पिटल गया। अम्मा ने जब उनको देखा तो वह खुशी से रो पड़ीं। बेटे, बहू ने अम्मा से माफी मांगी। अम्मा ने उनको गले लगा लिया। बेटे के साथ अपने पोते बंटी को देखते ही उनकी आधी बीमारी तो ठीक हो गई। हॉस्पिटल से छुट्टी मिलते ही अमर अम्मा को अपने साथ ले गया। सबकी आंखों में आंसू थे।

जो काम बरसों तक अम्मा खुद नहीं कर पाईं, वो छोटे-छोटे बच्चों ने कर दिखाया। कॉलोनी से जाते वक्त अम्मा के हाथ में ढेर सारे गिफ्ट थे, जो बच्चों ने मिलकर अपनी प्यारी अम्मा को दिए थे। जाते-जाते बच्चों ने अम्मा से रिटर्न गिफ्ट में एक प्रॉमिस लिया कि वह हर रविवार को उनसे मिलने जरूर आएंगी। अम्मा के चले जाने के बाद कॉलोनी सूनी वीरान-सी हो गई, लेकिन वो बच्चों से मिलने रविवार के दिन पार्क में आतीं। तब पूरी कॉलोनी अम्मा की कहानियों के बोल के साथ, बच्चों के ठहाकों से गूंज उठती थी। *

कैनकुन अंडरवाटर म्यूजियम मैक्सिको

कैनकुन (मैक्सिको) के आस-पास समुद्र तल में वर्ष 2009 में तैयार किए गए इस म्यूजियम 'म्यूसियो सबकोटिको दे आटे' यानी मूसा नाम से भी जाना जाता है। इसके पीछे कलाकार जेसन डिक्लेयर टेलर की सोच है। उन्होंने यहां प्रदर्शित 500 मूर्तियों को आर्टिफिशियल रीफ की मदद से बनाया है। यह न सिर्फ देखने में अद्भुत हैं, बल्कि समुद्री जीवन के लिए एक नया इकोसिस्टम भी बनाती हैं। इन मूर्तियों ने समुद्र तल को एक अद्भुत दृश्य में बदल दिया है, जिसे देखने पर ऐसा लगता है मानो मनुष्य और प्रकृति आपस में घनिष्ठता से जुड़े हों। यहां आने वाले लोग ग्लास बॉटम बोट्स, स्नोर्केलिंग या स्कूबा डाइविंग के जरिए इसे देख सकते हैं। *

ये हैं दुनिया के अनोखे म्यूजियम

{ अमेजिंग / रजनी अरोड़ा }

म्यूजियम, सभ्यताओं के विकास, इतिहास, कला-संस्कृति के संरक्षण के केंद्रस्थल होते हैं। आज इंटरनेशनल म्यूजियम-डे के अवसर पर, दुनिया भर में मौजूद करीब 38 हजार म्यूजियम्स में से अपनी तरह के कुछ अनोखे म्यूजियम्स के बारे में यहां बता रहे हैं।

म्यूजियम ऑफ ब्रोकन रिलेशनशिप क्रोएशिया

इस म्यूजियम का कॉन्सेप्ट है-टूटे हुए रिश्ते की कहानी बयां करना। क्रोएशिया की राजधानी जाग्रेव में स्थित इस म्यूजियम में दुनिया भर के लोगों द्वारा दान की गई उन वस्तुओं (अंगूठी, कपड़े, उपहार) का कलेक्शन है, जो उनके टूटे हुए रिश्तों की यादगार हैं। हर वस्तु के साथ एक नोट लिखा हुआ है, जिसमें उस वस्तु और उससे जुड़े किस्से का विवरण दिया गया है। माना जाता है कि ऐसा करने से उन्हें अपने बिखरे हुए मन को हल्का करने का मौका मिलता है। *

वेंट हेवन म्यूजियम अमेरिका

अमेरिका के केंटकी में स्थित इस म्यूजियम को डमी (पुतलों) म्यूजियम के नाम से भी जाना जाता है। विलियम शेक्सपीयर बर्जर ने 1910 में टॉमी बेलॉनी नामक आर्टिस्ट की पहली डमी खरीदी थी। 1962 में डमीज के कलेक्शन को रखने के लिए म्यूजियम बनाया गया। इस म्यूजियम में 800 से ज्यादा डमियों, तस्वीरों, प्लेविल्स, किताबों का कलेक्शन है। हर साल यहां एक कॉन्फ्रेंस भी आयोजित की जाती है, जिसमें शामिल होने दुनिया भर के विशेषज्ञ आते हैं। *

सुलभ इंटरनेशनल म्यूजियम ऑफ टॉयलेट भारत

भारत की राजधानी दिल्ली में स्थित यह म्यूजियम टॉयलेट के विकास, डिजाइन और स्वच्छता के इतिहास को समर्पित है। इसकी स्थापना 1992 में सुलभ इंटरनेशनल नामक एक गैर-सरकारी संगठन ने की थी। इसमें 50 से अधिक देशों के शौचालयों और उनसे जुड़ी तकनीकों का प्रदर्शन किया गया है, जिनमें प्राचीन काल (2500 बीसी) से लेकर आधुनिक समय तक के टॉयलेट शामिल हैं। राजा लुई द्वारा दरबार में इस्तेमाल की जाने वाली टॉयलेट सीट की रेप्लिका, सोने से जड़े टॉयलेट, आधुनिक काल के विभिन्न डिजाइन के टॉयलेट प्रदर्शित किए गए हैं। इस म्यूजियम में टॉयलेट पर लिखी कविताओं का कलेक्शन भी है, जो पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र है। *

म्यूजियम ऑफ ह्यूमन डिजीज ऑस्ट्रेलिया

यह एक पैथोलॉजिकल म्यूजियम है। यहां तकरीबन दो हजार मानव शरीर के विभिन्न अंगों और ह्यूमन टिशूज को प्रिजर्व किया गया है। इन्हें मनुष्य के ब्रेन डेड की स्थिति में या पोस्टमार्टम के दौरान ऑपरेशन करके इकट्ठा किया गया है। यहां रखे गए मानवांगों का अपना इतिहास है, जिनमें कुछ सौ साल से भी ज्यादा पुराने हैं। इनका इस्तेमाल कई बीमारियों के लिए रिसर्च करने के लिए किया जाता है। पर्यटकों को यहां अच्छी लाइफस्टाइल के बारे में काफी जानकारी मिलती है। यहां मेंटल हेल्थ, स्मोकिंग-एल्कोहल, ड्रग जैसे विषयों पर समय-समय पर प्रदर्शनी भी लगाई जाती है। *

इंटरनेशनल स्पाई म्यूजियम अमेरिका

वाशिंगटन में स्थित यह म्यूजियम जासूसी की कलाकृतियों का दुनिया में सबसे बड़ा संग्रह है। यहां जासूसी प्रोफेशन के इतिहास, तकनीकों, छोटे कैमरे, स्पाई गैजेट्स, कोड ब्रेकर मशीन जैसे उपकरणों, हथियारों को प्रदर्शित किया गया है। ये मानव की सोचने-समझने की क्षमता और जासूसों की भूमिका को दर्शाती हैं। यहां पर्यटक जासूसी एडवेंचर्स में हिस्सा लेकर दुनिया भर के जासूसी फोटो, वीडियो और कहानियों के बारे में जान सकते हैं। *

द डॉग कॉलर म्यूजियम इंग्लैंड

इस म्यूजियम की स्थापना के पीछे लीथ कैसल की मालकिन लेडी बेली का डॉग्स के प्रति प्रेम रहा है। इस म्यूजियम में दुनिया के अद्भुत डॉग्स कॉलर देखने को मिलते हैं। यहां 130 से ज्यादा दुर्लभ और मूल्यवान डॉग्स कॉलर प्रदर्शित किए गए हैं, जिन्हें आयरिश स्कॉलर जॉन हंट और उनकी वाइफ ने एकत्रित किया था। शाही हीरे जड़े कॉलर से लेकर पांच शताब्दियों पुराने सबसे छोटे, सबसे फैशनेबल बो टाई तक यहां रखे गए हैं। यह म्यूजियम इंसान और डॉग के रिश्ते के विकास को भी दर्शाता है। *

जिस तरह हर कंपनी का समय-समय पर ऑडिट करके उसकी प्रोग्रेस को एनालाइज किया जाता है, उसी तरह हमें अपनी लाइफ का भी ऑडिट करते रहना चाहिए। इसका क्या प्रोसेस है और इससे क्या फायदे होते हैं, आप जरूर जानना चाहेंगे।

क्या आप भी करते हैं अपनी लाइफ का ऑडिट

{ लाइफस्टाइल / अंजू जैन }

अगर आपको अकसर लगता है कि आपकी जिंदगी में कहीं कोई प्रोग्रेस नहीं नजर आ रही है। आप जिंदगी को जी नहीं रहे, बस इसे बिता रहे हैं। अगर ऐसा है, तो यह वक्त है सेल्फ रिव्यू का यानी अपनी लाइफ को ऑडिट करने का। इससे आपको अपनी कमियां पता चलेंगी, जिससे उन्हें आप दूर कर पाएंगे।

बनाएं लाइफ की ऑडिट रिपोर्ट: एक डायरी में अपने लक्ष्य, उद्देश्य और प्राथमिकताओं को नोट करें। अब इसी डायरी में अब तक आपने क्या खोया और क्या पाया, यह भी लिखें। आपने जो खोया उससे क्या सबक सीखा, ये भी लिखें और कौन-सी गलतियां नहीं दोहरानी हैं, यह भी। जिंदगी का यह हिसाब-किताब आपको न सिर्फ आत्म मूल्यांकन का मौका देगा बल्कि आपको बेवजह की उलझनों और बाहरी व्यवधानों से प्रभावित होने से भी बचाएगा। यह क्रम एक रुटीन में होना चाहिए, जिसे आप हर तिमाही में जरूर करें। साल में कम से कम दो बार यह काम जरूर होना चाहिए। अगर आप अपनी जिंदगी को अपने हिसाब से जीना चाहते हैं, तो यह ऑडिट जरूरी है।

ईमानदारी से करें सेल्फ रिव्यू: 'देवी, दिवा ऑर शी-डेविल' और 'द स्मार्ट करियर वुमेंस सर्वाइवल गाइड' की लेखिका सुधा मेनन कुछ साल पहले एक बार अपने जीवन से पूरी तरह परेशान और असंतुष्ट हो गई थीं। अपने जीवन की समीक्षा करने पर उन्होंने पाया कि उनकी जिंदगी ओवर वर्क, थकान, बोरियत और पति की उदासीनता का शिकार हो चुकी थी। दरअसल, पति बेहद सज्जन थे और कम बोलते थे। सुधा को लगा कि वे उनके प्रति उदासीन हैं। उन्होंने पति से खुलकर बात की, तो समस्या हल हो गई। वह वक्त उनकी जिंदगी का टर्निंग प्वाइंट था। मेनन कहती हैं, 'लेकिन आत्मसमीक्षा के लिए और लाइफ ऑडिट के लिए आपका ईमानदार और साहसी होना जरूरी है। तभी आपको सही नतीजे मिलेंगे। अगर आप हर वक्त अस्त-व्यस्त रहते हैं, लगातार काम के बोझ से दबे रहते हैं, पारिवारिक जिम्मेदारियों को ठीक से पूरा नहीं कर पा रहे और न ही अपने नजदीकी लोगों की उम्मीदों पर खरे उतर रहे हैं, तो फिर समझ लीजिए कि आपको अपनी प्राथमिकताओं की समझ नहीं है। इसलिए यह बेहद महत्वपूर्ण है कि आप अपनी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों और लक्ष्य की एक स्पष्ट सूची बनाकर रखें। इस आत्मसमीक्षा में आपको खुद के प्रति बेहद ईमानदार रहना होगा।

पूर्वाग्रहों से बचिए: कई बार हम जिंदगी को लेकर एक रटी-रटाई सोच अपना लेते हैं। अपनी विचारधारा बदलने को तैयार नहीं होते हैं। जैसे दुनिया कंप्यूटर पर काम कर रही है, तो भी आप टाइपराइटर के पीछे पड़े हैं। ऐसे पूर्वाग्रहों से आपके मन में जड़ता आ जाती है।

फालतू चीजों को हटाएं: लाइफ ऑडिट के दौरान खुद से कुछ सवाल पूछें जैसे- क्या मैं वही कर रहा हूं, जो मैं अपने जीवन से चाहता हूं? क्या मैं अपनी जिंदगी से संतुष्ट हूं? इन सवालों से जो जवाब मिलें उनसे आपको पता चल जाएगा कि आप आधी से ज्यादा बेकार चीजों के पीछे भागते रहे हैं और इसीलिए आपकी जिंदगी इतनी उलझी हुई और दुश्वार है। ऐसी सब चीजों को अपनी 'टू डू लिस्ट' से हटा दें। 'द लाइफ ऑडिट' की लेखिका कैरोलीन राइटन कहती हैं, 'इससे आपको अपनी जीवन यात्रा को समझने और अब तक की गई तरक्की या तरक्की में रुकावट बन रहे कारणों का पता चलता है। आपको यह भी पता चलता है कि आप कहां अटके हुए हैं। आपको अपनी इच्छाओं का भी पता चलता है।'

'मेक इट हैपेन' के लेखक और लाइफ कोच अरविंद देवलिया बताते हैं, 'अपने जीवन में छोटे-छोटे सामान्य परिवर्तन कीजिए।' अपनी जिंदगी के हर पहलू पर नजर डालिए- करियर, हेल्थ, रिलेशनशिप और देखिए आप क्या पसंद करते हैं और क्या बदलना चाहते हैं? इस दौरान पुरानी गलतियों को लेकर अपसेट बिल्कुल न हों। इसकी बजाय अपने भविष्य की प्लानिंग करें और सफलता के लिए छोटे-छोटे स्टेप उठाएं। ऐसे करेंगे तो आपकी जिंदगी पूरी तरह से बदल जाएगी, आप मनचाही सफलता पाएंगे। *

चाय को दुनिया में सबसे ज्यादा पसंद किया जाने वाला पेय माना जाता है। अंतरराष्ट्रीय चाय दिवस (21 मई) के अवसर पर जानिए, अपने देश में मिलने वाली अलग-अलग फ्लेवर्स की चाय के बारे में।

ऊर्जा-ताजगी से कर दें सराबोर

ये जायकेदार लाजवाब चाय

बिरयानी चाय, आगरा

{ रोचक / शिखर चंद जैन }

अगर आप चाय के शौकीन हैं तो सामान्य चाय, मसाला चाय, ब्लैक टी और ग्रीन टी तो अकसर पीते ही होंगे। लेकिन यहां हम आपको इनसे इतर अपने देश के अलग-अलग स्थानों की पॉपुलर चाय के बारे में बता रहे हैं।

तड़के वाली चाय, अमृतसर: पंजाब के लोग तड़के और मक्खन के खास शौकीन होते हैं। इस खास चाय को बनाने के लिए पिस्ता, बादाम, दालचीनी, इलायची, खसखस, गुलाब आदि को बटर में फ्राई किया जाता है और फिर इसे चाय में ऊपर से डाल दिया जाता है। अब आप अनुमान लगा सकते हैं कि इस खास पंजाबी तड़के वाली चाय में क्या शानदार स्वाद आता होगा।

गुड़-गुड़ चाय, लद्दाख: गुड़-गुड़ चाय एक स्मोकी ब्रिक टी है। यह खास तिब्बती पेमागुल चायपत्ती, नमक, याक के दूध और इसी दूध से बने मक्खन से बनती है। इस चाय से यहां मेहमानों का खास स्वागत किया जाता है। मलाईदार गुड़-गुड़ चाय का स्वाद अन्य चाय से एकदम अलग, नमकीन होता है।

बिरयानी चाय, आगरा: आगरा में तीन परतों वाली यह चाय बेहद खास मौकों पर मेहमानों को पिलाई जाती है। इसमें सबसे नीचे गाढ़ा दूध, बीच में रहती है ब्लैक टी, जो चक्र फूल और दालचीनी पावडर के साथ उबाली जाती है और सबसे ऊपर झाग वाला गाढ़ा-गाढ़ा दूध होता है। इसे पीकर तन ही नहीं मन भी नई ऊर्जा से भर उठता है।

गुलाबी चाय, लखनऊ: इस जायकेदार चाय को बनाने के लिए बेकिंग सोडा में चाय पत्तियों को देर तक उबाला जाता है। जब पत्तियां पूरी तरह अपना रंग छोड़ देती हैं तो फिर इन्हें दालचीनी, इलायची, तेजपत्ता, केवड़ा, लौंग, केसर और दूध के साथ उबालते हैं। पक कर तैयार होने के बाद ऊपर से रबड़ी और बादाम डाले जाते हैं। धी मी - धी मी पकी हुई इस लखनवी गुलाबी चाय को पीकर आप ऊर्जा से सराबोर हो जाएंगे।

लेबू चाय, कोलकाता: इस चाय को बनाने के लिए चाय पत्ती को पहले अच्छी तरह खौलाते हैं फिर इसे छानकर इसमें नीबू का रस, काला नमक, जीरा पावडर, काली मिर्च आदि डालकर सर्व करते हैं। इसमें दालचीनी, लौंग भी डाली जा सकती है।

तंदूरी चाय, दिल्ली: पंजाब और दिल्ली में तंदूरी चाय का खूब प्रचलन है। दूध में चायपत्ती, इलायची, पुदीना आदि मिलाकर पहले चाय बनाई जाती है। फिर एक गर्म तंदूर में कुल्हड़ को बेहद गर्म होने के बाद इसे चाय में डुबाकर चाय निकाली जाती है या फिर ऐसे तपते कुल्हड़ों में ही चाय डाल दी जाती है। मिट्टी के कुल्हड़ की सोंधी-सोंधी खुशबू और अनूठे स्वाद वाली यह चाय तन-मन को ताजगी से भर देती है। *

भय और आतंक के पर्याय फिल्मों के यादगार खलनायक

शुरुआती दौर से ही हिंदी फिल्मों में नायक-नायिकाओं की तरह खलनायकों का भी महत्व रहा है। कई कलाकारों ने बतौर विलेन भरपूर प्रसिद्धि हासिल की। यहां आपको कुछ ऐसे ही यादगार विलेन कैरेक्टर्स के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें दर्शक फिल्मी पर्दे पर भय और आतंक का पर्याय मानते हैं।

{ बड़ा पर्दा / अशोक जोशी }

जिस तरह अतीत से लेकर आज तक देश-दुनिया में कई बार वीभत्स आतंकी घटनाएं घटित होती रहती हैं। समाज में कुछ अपराधी, भयावह घटनाओं को अंजाम देते हैं, उसी तरह हमारी फिल्मों में भी कुछ खलनायकों के चरित्र को इस तरह गढ़ा गया, जो यादगार बन गए। इनके पर्दे पर आते ही दर्शकों के मन-मस्तिष्क में भय और आतंक छा जाता है। हिंदी फिल्मों के ऐसे ही कुछ यादगार निगेटिव किरदारों पर एक नजर-

शुरुआती फिल्मों के खलनायक

बी.एम. व्यास

हिंदी सिनेमा में नकारात्मक चरित्र, सनकी किरदारों को तब से ही पेश किया जाता रहा है, जब से सिनेमा की शुरुआत हुई थी। उस दौर की अधिकांश फिल्में पौराणिक कथाओं पर आधारित हुआ करती थीं। उनमें कभी भूत-प्रेत, कभी दानव और राक्षस के रूप में इस तरह के सनकी किरदार पर्दे पर आते थे। पौराणिक फिल्मों में भय और आतंक मचाने में उन दिनों बी.एम. व्यास, हीरालाल और हबीब जैसे कलाकारों को महारथ हासिल थी।

ऐतिहासिक फिल्मों के खलनायक

पौराणिक फिल्मों के बाद ऐतिहासिक फिल्मों का दौर आया, जिसमें चंगेज खां, हलाकू जैसे खतरनाक सनकी ऐतिहासिक पात्र पर्दे पर प्रस्तुत किए गए। इन किरदारों को पर्दे पर निभाकर कभी प्रेमनाथ, कभी शेख मुख्तार तो कभी प्राण दर्शकों में खौफ पैदा कर देते थे।

प्राण का यादगार किरदार राका

आगे चलकर ऐसे कई कलाकार आए, जिन्होंने नए-नए तरीके अपनाकर फिल्मी पर्दे पर आतंक और भय का वातावरण रचने में योगदान दिया। 'जिस देश में गंगा बहती है' का राका ऐसा ही खुंखार डाकू था, जो दुल्हनों के गले से आभूषण खींचते समय यह परवाह तक नहीं करता था कि इससे गला कट कर दुल्हन डोली पर चढ़ने के बजाय अर्थी पर चढ़ जाती है। प्राण ने अपने अभिनय कौशल से इस वहशी डाकू के किरदार में जान डाल दी थी।

हमेशा रहेंगे याद गब्बर, मोगैंबो, शाकाल

सिनेमा के पर्दे पर हिंसा और सनक की पराकाष्ठा 'शोले' के गब्बर सिंह में देखी जा सकती है। अमजद खान ने इस किरदार को पूरी शिद्दत के साथ निभाया था। आज भी अमजद खान का जिक्र आते ही आंखों के सामने डाकू गब्बर सिंह का चेहरा ही उभरता है। इसी तरह 'मिस्टर इंडिया' का मोगैंबो भी आतंक और सनक का दूसरा नाम था। यह अमरीश पुरी के शानदार अभिनय का ही कमाल था कि फिल्म में जैसे ही मोगैंबो के रूप में अमरीश पुरी की एंट्री होती है, दर्शकों की सांसें थम-सी जाती हैं। 'शोले' बनाने वाले रमेश सिप्पी की ही फिल्म 'शान' का विलेन शाकाल भी कम सनकी और खतरनाक नहीं था। फिल्म में शाकाल बात-बात में लोगों को मगरमच्छ की खुराक बना देता है। शाकाल का किरदार, इस भूमिका को निभाने वाले एक्टर कुलभूषण खरबंदा की पहचान से जुड़ गया था।

नायक भी बने खलनायक

कई ऐसी साइको थ्रिलर फिल्में बनी हैं, जिसमें नायक का किरदार निभाने वाले एक्टर्स ही नेगेटिव कैरेक्टर में दिखे। 'बाजीगर', 'डर' और 'अंजाम' जैसी फिल्मों में शाहरूख खान द्वारा निभाए गए नेगेटिव रोल्स दर्शकों के जेहन में आज भी ताजा हैं। इसी तरह 'अग्नि साक्षी' में नाना पाटेकर और 'दरार' में अरबाज खान ने ऐसे पति की भूमिका निभाई, जो सनक की सारी हदें पार कर जाता है।

ये किरदार भी हैं यादगार

'हम', 'घातक', 'क्रांतिवीर', धुंध जैसी फिल्मों में भय, आतंक और सनकी कैरेक्टर्स का रोल डैनी डेंजोंगप्पा ने निभाया। आशुतोष राणा ने फिल्म 'संघर्ष' में लज्जा शंकर पांडे बनकर दर्शकों को खूब डराया तो 'दुश्मन' में उन्होंने गोकुल पंडित के किरदार में भरपूर वाहवाही बटोरी। इन दोनों फिल्मों में आशुतोष राणा ने सनकीपन और वहशीपन को पर्दे पर कुछ इस तरह पेश किया कि दर्शक आज भी इनको नहीं भूल पाए हैं। 'चाइना गेट' में मुकेश तिवारी द्वारा निभाया गया जगीरा का किरदार भी एक अलग किस्म का भय का माहौल रचता है। गुलशन ग्रोवर भी तरह-तरह के गेटअप बदल कर 'बैडमैन' के चरित्र को पर्दे पर पेश कर सनक का सिलसिला आगे बढ़ाते रहे हैं। अजय देवगन ने फिल्म 'दीवानगी' में शातिर और सनकी तरंग भारद्वाज का किरदार निभाया था। 'रमन राघव' में नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने साइको किलर की बेहतरीन भूमिका निभाई तो 'एक विलेन' में सनकी प्रेमी और हत्यारे की भूमिका में रितेश देशमुख ने जान डाल दी थी। 'पद्मावत' में रणवीर सिंह, अलाउद्दीन खिलजी के किरदार में बेहद खतरनाक लगे। हाल में आई कुछ फिल्मों की बात करें तो बॉबी देओल ने 'एनिमल' में और 'छावा' में अक्षय खन्ना ने अपने निभाए किरदारों के माध्यम से भय का माहौल रचा। *

बॉबी देओल

मुकेश तिवारी

आशुतोष राणा

पीछे नहीं रहीं खलनायिकाएं

ऐसी बात नहीं कि पर्दे पर सनकी या साइको किलर के किरदार निभाने में केवल मेल एक्टर्स का ही एकाधिकार रहा है। कई फी-मेल एक्ट्रेस ने भी इस तरह के किरदारों को बखूबी निभाकर दर्शकों को हैरत में डाल दिया। 'गुप्त' में काजोल और 'कौन' में उर्मिला मातोंडकर द्वारा निभाए गए किरदारों ने दर्शकों को अचंभे में डाल दिया था।